28 फरवरी 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पीरपैंती में 21 हजार 400 करोड़ रुपए से बनेगा थर्मल पावर प्लांट

2

राष्ट्रपति के हाथों विशेष पदक पानेवाले पुलिस अधिकारियों को सीएम नीतीश ने किया सम्मानित

- बिहार पुलिस सप्ताह के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार
- परेड का निरीक्षण कर ली सलामी, महिला कमांडों सहित 8 टुकड़ियों ने किया मार्च पास्ट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-5 परिसर स्थित मिथिलेश स्टेडियम में आयोजित बिहार पुलिस सप्ताह-2025 के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। मुख्यमंत्री के समक्ष विशेष कार्य बल बिहार पटना, बिहार सैन्य पुलिस (गोरखा बटालियन), बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस सासाराम, बिहार विशेष स्वाभिमान सशस्त्र पुलिस वाल्मिकीनगर बगहा, बिहार सैन्य पुलिस-14 पटना, बिहार सैन्य पुलिस-7 कटिहार, बिहार सैन्य पुलिस 5 पटना तथा महिला कमांडों सहित कुल 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीरता के लिए समस्तीपुर जिला (थाना पटोरी) के भुल्ला सहनी, जिला कैमूर (थाना चैनपुर) के बिहारी यादव, जिला वैशाली (थाना सराय) के विक्रमजीत कुमार, जिला सीतामढ़ी (थाना बैरगनिया) के अमित कुमार चौधरी को नागरिक प्रशस्ति-पत्र और 10 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रपति द्वारा विशेष पदक से सम्मानित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के महानिदेशक अमरेंद्र कुमार अंबेडकर, राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) आर. मलारविझी, राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित सेवानिवृत पुलिस निरीक्षक, अपराध अनुसंधान विभाग बिहार सुनीता कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षक रामानुज राम को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

बिहार पुलिस सप्ताह-2025 के दौरान साइबर सुरक्षा विषय पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में चयनित छात्र-छात्राओं को भी मुख्यमंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में मुख्यमंत्री का स्वागत पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न भेंटकर किया। मुख्यमंत्री ने बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-05 परिसर में मल्टी कॉम्प्लेक्स इंडोर स्टेडियम एवं जिम भवन का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन कर नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम आलोक राज, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

बिहार विधान मंडल का बजट सत्र आज से

पटना। बिहार विधान मंडल का बजट सत्र शुक्रवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण से आरंभ होगा। सत्र के दौरान कुल 20 बैठकें निर्धारित की गयी है। सत्र के पहले दिन आर्थिक सर्वेक्षण तो तीन मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट पेश होगा। चलते सत्र में सरकार द्वारा कई बिल लाये जा सकते हैं। सत्र के पहले दिन राज्यपाल सेंट्रल हाल में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। अभिभाषण के बाद दोनों सदनों की अलग-अलग बैठकें आरंभ हो जायेगी। शुक्रवार को ही दोनों सदनों में सरकार आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करेगी। उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी दोनों सदनों बारी-बारी से 2024-25 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगे। एक और दो मार्च को सदन की बैठक नहीं होगी। तीन मार्च को सरकार दोनों सदन में 2025-26 का बजट पेश करेगी। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बजट पेश करेंगे। इसके साथ राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद और वाद-विवाद आरंभ होगा। 20 दिनों की बैठकों वाला यह सत्र हंगामेंदार होने की संभावना है। जहां एक ओर सरकार और सत्ताधारी दल सरकार की नीतियों और नयी योजनाओं को सदन में पेश करेगी। वहीं विपक्ष सदन के भीतर सरकार को घेरने की रणनीति बनायेगी।

प्रयागराज महाकुंभ ने अपने नाम दर्ज किए तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

महाकुंभ में 19000 लोगों ने एकसाथ झाड़ू लगा मेला क्षेत्र की सफाई का बनाया रिकॉर्ड

- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम की ओर से सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंपे गए सर्टिफिकेट
- सीएम बोले- महाकुंभ के भव्य आयोजन से देश-दुनिया अचंभित

एजेंसी/प्रयागराज

45 दिनों तक चले आस्था के समागम प्रयागराज महाकुंभ में नई उपलब्धियों के साथ-साथ कई नए रिकॉर्ड बने हैं। इस बार प्रयागराज महाकुंभ ने कई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स अपने नाम दर्ज किए हैं, जिसके लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम की ओर से सर्टिफिकेट सौंपे गए हैं। इस मौके पर खुशी जताते हुए उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा की हैं। इसमें सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक अपने हाथों में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के सर्टिफिकेट लिए नजर आए।

सीएम ने एक्स पर लिखा, 'पीएम नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में 'महाकुंभ-2025, प्रयागराज' के भव्य आयोजन से देश-दुनिया अचंभित है। भारत की सांस्कृतिक विविधता व एकात्मकता की गौरव गाथा विश्वपटल पर गुंजायमान है। एक्स पोस्ट में आगे लिखा, '45 दिन चले लोक आस्था के महापर्व में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा एक साथ नदी की सफाई करने, सबसे ज्यादा कार्यकताओं द्वारा एक साथ एक जगह पर सफाई करने तथा 8 घंटे में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा हैंड प्रिंट पेंटिंग करने का कीर्तिमान 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में स्थापित कर एक नया इतिहास रचा गया है। दुनिया को 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश देने वाला विश्व का महा समागम का पर्व 'रिकॉर्ड का महाकुंभ' भी बना है।

मात्र आधा घंटा में 329 जगहों पर एकसाथ की गई गंगा की सफाई

महाकुंभ में पहले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड गंगा की सफाई को लेकर दर्ज किया गया है। गंगा में 329 स्थानों पर एक साथ सफाई करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया गया है। वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए ढाई सौ स्थान को एक साथ आधे घंटे में साफ करने का लक्ष्य था, लेकिन 329 जगहों पर एक साथ गंगा सफाई अभियान चला जो वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है।

हैंड पेंडिंग ने बनाया रिकॉर्ड: दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड हैंड पेंटिंग को लेकर बना है, जहां 10,102 लोगों ने एक साथ पेंडिंग की. ये पेंटिंग लोगों द्वारा एक सामूहिक प्रयास था, जिसमें लोगों ने अपना कौशल दिखाया। इससे पहले ये रिकॉर्ड 7660 लोगों का था।

झाड़ू लगाने को लेकर बनाया रिकॉर्ड: महाकुंभ में झाड़ू लगाने के अभियान ने एक मील का पत्थर स्थापित किया है। महाकुंभ में 19000 लोगों ने एक साथ झाड़ू लगाकर मेला क्षेत्र की सफाई अभियान को गति दी। इसके साथ ही ये गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बन गया। इससे पहले ये रिकॉर्ड 10,000 लोगों का था।

सीएम ने सफाईकर्मियों के साथ मिलकर की सफाई

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़ी गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया। सफाई कार्य के बाद मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने जेटी से साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। संगम पहुंचकर सीएम योगी ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य रूप में मौजूद मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मंत्रिगणों के साथ मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से मां की आरती उतारी और लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने संगम स्नान को आए श्रद्धालुओं का भी अभिवादन किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

फर्जी वोटर की मदद से चुनाव जीतना चाहती है भाजपा: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सीएम ने कहा कि सरकार ने एक एजेंसी को बंगाल भेजा है जो कई राज्यों के वोटर्स से बंगाल के वोटरों को बदल रहे हैं। उन्होंने इस गड़बड़ी को सुधारने के लिए चुनाव आयोग के सामने धरने पर बैठने की भी चेतावनी दी है।

ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि बीजेपी ने एसोसिएशन फॉर बिलियन माइंड्स नाम की एक एजेंसी को बंगाल भेजा है जो बंगाल के मतदाताओं को हरियाणा, गुजरात, पंजाब और बिहार के मतदाताओं से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एक कंपनी भेजी है, जो बुद्धिमान लोगों का संगठन है और वह डेटा ऑपरेट करने जा रहे हैं। वह पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में हरियाणा, राजस्थान के लोगों के नाम जोड़ रहे हैं। ये पूरा काम ऑनलाइन किया जा रहा है। इसी तरह उन्होंने महाराष्ट्र और दिल्ली को में अपने विपक्षियों को हराया, लेकिन हमने उनकी ये चाल पकड़ ली है। उन्होंने आरोप लगाया, दिल्ली और महाराष्ट्र में भाजपा ने हरियाणा और गुजरात से फर्जी मतदाताओं का नामांकन कराकर चुनाव जीता था। पार्टी हरियाणा और गुजरात से इन फर्जी मतदाताओं को लाएगी और बंगाल में चुनाव जीतने की कोशिश करेगी, क्योंकि भाजपा जानती है कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव हुए तो वह बंगाल में कभी चुनाव नहीं जीत सकती। बनर्जी ने भाजपा पर चुनाव आयोग की मदद से पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में अन्य राज्यों से फर्जी मतदाताओं का नामांकन सुनिश्चित करने का आरोप लगाया।

फर्जी मतदाताओं की करेंगे पहचान: टीएमसी सुप्रीमो ने दावा किया, हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करेंगे, जिन्हें भाजपा की मदद से मतदाता सूची में शामिल किया गया है।

बिहार में शराबबंदी की खुली पोल... तरारी के दो नाबालिगों ने पी शराब, सदर अस्पताल में भर्ती

एजेंसी/आरा

बिहार में शराबबंदी है लेकिन बिहार के दो नाबालिग भाइयों ने शराबबंदी की पोल खोल दी है। नशे में धुत दोनों भाइयों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों ने कहा कि उन्होंने शराब पी है। नाबालिग की पहचान तरारी थाना क्षेत्र के रहने वाले लव और कुश के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि दोनों भाई शराब के नशे में धुत होकर बेहोश होने लगे थे। परिजनों को पहले तो समझ नही आया कि दोनों को हुआ क्या है। बाद में खुद ही लड़कों ने बताया कि उनलोगों ने 50 रुपया के हिसाब से देशी शराब खरीदे और गांव के बधार (खेत) मे जा कर पीये हैं। नशे में धुत लव ने बताया कि वो लोग गांव से ही 50 रुपया में महुआ शराब खरीदे हैं और पीये हैं। लव एक ग्लास पीया है, जबकि कुश 3 ग्लास शराब पीया है। लव हल्का-फुल्का बोलने की स्थिति में था जिसके वजह से उससे बयान लिया गया, जबकि कुश तीन ग्लास शराब पी कर पूरी तरह से बेहोश है। इस मामले में एसपी मिस्टर राज ने कहा कि जांच के आदेश दिए गये हैं। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्यवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रारम्भिक जांच में बोनफिक्स पीने की बात सामने आई है, लेकिन अभी जांच जारी है। डॉक्टर से सैम्पल लेने के लिए भी बोला गया है ताकि स्पष्ट रूप से जांच का रिपोर्ट आये।

विधानसभा परिसर के बाहर धरना पर बैठे आप के निलंबित विधायक

एजेंसी/नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष आतिशी और आम आदमी पार्टी के निलंबित विधायकों को गुरुवार को विधानसभा परिसर में प्रवेश से रोक दिया गया, जिसके बाद आप विधायकों ने परिसर के बाहर करीब 7 घंटे धरना दिया। आतिशी ने कहा- बीजेपी वालों ने सरकार में आते ही तानाशाही की हदें पार कर दीं। मंगलवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण आप के 22 में से 21 विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी के विधायक मुख्यमंत्री कार्यालय से बीआर आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर कथित रूप से हटाए जाने का विरोध कर रहे थे। आप नेताओं ने हाथ में डफली लेकर बीजेपी सुन ले, जय भीम, जय भीम, बीजेपी की तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए।

संयुक्त संसदीय समिति द्वारा प्रस्तावित 23 बदलावों में से 14 को किया गया स्वीकार

नए वक्फ बिल को मंजूरी, संसद में पेश होने का रास्ता साफ

एजेंसी/नई दिल्ली

पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने गुरुवार को नए वक्फ बिल को मंजूरी दे दी। 10 मार्च से शुरू हो रहे संसद सत्र में इसे पेश किए जाने की संभावना है। वक्फ विधेयक केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानूनों में 44 बदलाव प्रस्ताव किए गए हैं, जो तय करेंगे कि मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों का प्रबंधन किस तरीके से किया जाए। सूत्रों की मानें तो मोदी कैबिनेट ने संयुक्त संसदीय समिति द्वारा प्रस्तावित 23 बदलावों में से 14 को स्वीकार कर लिया है। जेपीसी को अगस्त में यह विधेयक सौंपा गया था। 13 फरवरी को उसने लंबी चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट पेश की। इस दौरान भी खूब विवाद हुआ।

मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद में उठाया था मुद्दा: जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने पक्षपात के आरोप लगाए थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुद्दे को संसद में उठाया था। उनका कहना है कि जेपीसी की रिपोर्ट में उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से गायब कर दिए गए हैं। हालांकि, केंद्र ने इन आरोप से इनकार किया है।

अगस्त 2024 में संसद में पहली बार पेश किया गया था बिल

वक्फ संशोधन बिल अगस्त 2024 में पहली बार संसद में पेश किया गया था. लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया। जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली इस समिति ने कुछ संशोधनों के साथ सरकार को रिपोर्ट सौंपी। समिति की यह रिपोर्ट 13 फरवरी को संसद में पेश की गई। जिस आधार पर वक्फ बिल का नया ड्राफ्ट बना।

क्या है वक्फ संपत्ति: वक्फ शब्द अरबी से लिया गया है, जिसका अर्थ है मुसलमानों द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के लिए दान की गई संपत्ति। एक बार वक्फ के रूप में नामित होने के बाद संपत्ति को अल्लाह का माना जाता है, जिससे इसकी स्थिति अपरिवर्तनीय हो जाती है और यह निजी स्वामित्व या बिक्री से परे हो जाती है। भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन समय के साथ विकसित हुआ है, जिसमें वक्फ अधिनियम 1995 प्राथमिक कानूनी ढांचे के रूप में कार्य करता है। इस कानून के तहत वक्फ संपत्तियों की पहचान, जांच और डॉक्यूमेंटेशन के लिए एक सर्वे कमिशनर नियुक्त किया जाता है। कमिशनर को इन बंदोबस्तों की उचित सूची और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गवाहों को बुलाने और सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने का अधिकार है। वक्फ संपत्तियों से जुड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक अतिक्रमण है। इस समस्या से निपटने के लिए, कानून में वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने या उसका दुरुपयोग करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए कारावास सहित कठोर दंड का प्रावधान है।

2 मार्च को विधान परिषद सभागार में मनेगी छत्रपति शिवाजी की जयंती

- सूबे के सभी 38 जिलों में छत्रपति शिवाजी महाराज की लगेगी प्रतिमा

केटी न्यूज/पटना

छत्रपति शिवाजी महाराज सेवा समिति द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती सह सम्मान समारोह का आयोजन 2 मार्च 2025, रविवार को बिहार विधान परिषद के उपसभागार, पटना में किया जाएगा। इसकी जानकारी होटल मौर्या में आयोजित प्रेस कांफ्रेस के दौरान समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुधीर पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि यह समारोह पिछले कई वर्षों से धूमधाम से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पटना के कंकड़बाग टेंपो स्टैंड में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई थी और अब पूरे बिहार में उनके नाम पर चौराहों पर प्रतिमाएं लगाने का अभियान शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर ऐसे लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने समाज के उत्थान और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, जज, बिजनेसमैन, बिल्डर और समाजसेवी शामिल होंगे। डॉ. सुधीर पटेल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना और जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।समिति ने समाज के विकास को ध्यान में रखते हुए कई योजनाओं पर कार्य करने की घोषणा की है। इसके अनुसार, छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमाएं स्थापित करना। सूबे के सभी 38 जिलों में उनकी प्रतिमा लगाई जाएगी ताकि लोग उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सकें। पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा। प्रथम चरण में प्रत्येक जिला मुख्यालय में किराए पर छात्रावास उपलब्ध कराया जाएगा। जहां समाज के होनहार और गरीब विद्यार्थियों को निशुल्क आवास और भोजन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि गरीब विद्यार्थियों को किताबें, कॉपी, स्टेशनरी, साइकिल और कपड़े मुफ्त में दिए जाएंगे ताकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें और समाज में आगे बढ़ें। समाज के गरीब लोगों के लिए फ्री मेडिकल सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। समाज के लोगों को एक समान टाइटल लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि समाज में एकता बनी रहे। डॉ. सुधीर पटेल ने कहा कि समाज को एकजुट करना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। अध्यक्ष डॉ. सुधीर पटेल, केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर अमर कुमार, उमेश कुमार, प्रशांत कुमार, जितेंद्र कुमार और डॉ. बीबी. भारती उपस्थित रहे। यह समारोह छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को समाज में फैलाने और गरीबों की मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मंत्री नितिन नवीन ने संभाला पथ निर्माण विभाग का पदभार

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को पथ निर्माण विभाग में पदभार ग्रहण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी और सीएम ने नई जिम्मेदारी दी है। सीएम के प्रगति यात्रा का जो विजन है, उसमें पथ निर्माण विभाग एक बड़ा हिस्सा है। चुनावी वर्ष होने के कारण समय भी कम है। ऐसे में मैं पूरी मेहनत और लगन के साथ उनके उम्मीदों पर खड़ा उतरने का काम करूंगा। साथ ही तेजी से बिहार का विकास हो इस ओर काम करूंगा। वहीं, मंत्री ने कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग और विधि विभाग संभालने के दौरान मेरे द्वारा कई बड़े फैसले लिए गए। स्वच्छता मिशन समेत कई बड़े योजनाओं को अंतिम चरण में पहुंचाने का काम किया। इसके साथ ही विभाग में मॉनिटरिंग और फॉलोअप का सिस्टम बनाया गया, ताकि सभी विकास कार्य ससमय पूरा हो पाए। हमनें नगर निकायों को भी मजबूत करने की दिशा में काफी काम किया। मैं जिबेश कुमार को नगर विकास एवं आवास विभाग में पदभार ग्रहण करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

पवार प्लांट प्रदेश में किसी निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा निवेश होगा

पीरपैंती में 21 हजार 400 करोड़ रुपए से बनेगा थर्मल पावर प्लांट

- केन्द्र सरकार के बजट 2024 में इस परियोजना के लिए 21,400 करोड़ रुपये की घोषणा की गई थी
- परियोजना से लोगों को न सिर्फ गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी, बल्कि बिजली दरों में भी कमी आएगी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बिजली उत्पादन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए राज्य सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लिया है। प्रदेश के भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट क्षमता का ग्रीन फील्ड थर्मल पावर प्लांट बनने जा रहा है। 21 हजार 400 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला ये पवार प्लांट प्रदेश में किसी निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा निवेश होगा। इस पवार प्लांट के बन जाने से बिहार के 13 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। बल्कि आम लोगों के बिजली बिल में भी कमी आएगी। साथ ही बिहार के उद्योगों को भी पंख लग जाएंगे।

पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट की मिली मंजूरी: पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट को निर्माण की मंजूरी दे दी गई है। परियोजना के तहत बिहार राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड को नोडल एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। जो निविदा प्रक्रिया सहित परियोजना के क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी संभालेगी। यह परियोजना 21400 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जाएगी। बिहार में होने वाला ये निवेश अब तक का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का निवेश होने वाला है। जिससे बिहार के निजी निवेश और उद्योग को नई ऊंचाई मिलेगी। इस इलाके में रोजगार भी बढ़ेगा।

सस्ती और निर्बाध होगी बिजली आपूर्ति

इस परियोजना से बिहार के लोगों को निरंतर और किफायती दर पर बिजली मिलेगी। राज्य बिजली के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। बिहार को बाहर से बिजली खरीदनी पड़ रही है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से हमारी दूसरे राज्यों से बिजली खरीदने की निर्भरता घटेगी। इससे बिजली की लागत में भी कमी आएगी। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 2400 मेगावाट का नया थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए कोयले का आवंटन पहले ही हो चुका है।ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि पहले पीरपैंती में सौर ऊर्जा परियोजना प्रस्तावित थी, लेकिन तकनीकी सर्वेक्षण के बाद कोयला स्रोत की नजदीकी और भूमि की स्थिति को देखते हुए थर्मल पावर प्लांट का प्रस्ताव मंजूर किया गया। इस परियोजना से न केवल बिजली की दरों में कमी आएगी। बल्कि बिहार में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। निर्माण कार्य के दौरान हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

सीएम की दूरदर्शी नजरिए का नतीजा: मंत्री

ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ये परियोजना सीएम नीतीश कुमार की दूरदर्शी ऊर्जा नीति का नतीजा है। इस योजना पर काम शुरू होने के बाद बिहार निवेशकों के लिए आकर्षक बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम के नेतृत्व में राज्य में निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ है। इस परियोजना से बिहार के लोगों को न सिर्फ गुणवत्ता पूर्ण बिजली मिलेगी, बल्कि बिजली दरों में भी कमी आएगी। यह राज्य के औद्योगिकीकरण में मील का पत्थर साबित होगा। इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा। जिससे राज्य में निवेश आकर्षित होगा। कई कंपनियां निवेश करेंगी।

दरभंगा में गैस चूल्हे की आग से 4 लोग झुलसे, चल रहा इलाज

दरभंगा। दरभंगा जिले में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के पुनहद गांव में गैस चूल्हे से भभकी आग से चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। चारों को इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती करवाया गया है। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों की हालत गंभीर बताई है। घायलों में ललिता देवी 38 वर्ष उसका पुत्र श्रवण कुमार 11 वर्ष और पवन देवी के रूप में हुई है।बताया जाता है कि पुनहद गांव में जख्मी ललिता देवी के घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलिंडर में आग पकड़ लिया। ललिता देवी को बचाने के क्रम में पवन देवी और ललीता देवी का पुत्र भी झुलस गया। आग बुझाने के लिए परिजनों ने बगल में रहने वाले गैस चूल्हे के मिस्त्री को बुलाया।

बिहार में नए मंत्रियों के विभागों का हुआ बंटवारा

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों के विभाग का बंटवारा कर दिया। भाजपा कोटे के सात नए मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिए गए हैं। पूर्व मंत्रियों के विभाग बदल दिए गए हैं। नीतीश सरकार ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है।

कई दिग्गजों से छीने गए विभाग: इस बार कई पुराने दिग्गजों से विभाग छीने भी गए हैं। बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से पथ निर्माण विभाग छीनकर नीतीन नवीन को दे दिया गया है और नीतीन नवीन का विभाग (नगर,विकास-आवास) जिवेश कुमार को दे दिया गया। वहीं, मंगल पांडेय का कृषि विभाग डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को दिया गया। वहीं, संतोष सुमन से भी दो विभाग छीन लिया गया है, उनके पास केवल एक विभाग बचा है। वहीं दिलीप जायसवाल का राजस्व विभाग लेकर संजय सरावगी को दे दिया गया। प्रेम कुमार का विभाग छीनकर राजू सिंह और सुनील सिंह को दे दिया गया है।

नये मंत्रियों के विभाग

संजय सरावगी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग दिया गया है। वहीं जीवेश कुमार मिश्रा को नगर, विकास एवं आवास विभाग मिला है। मंत्री सुनील कुमार सिंह को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग सौंपा गया है। मंत्री राजू सिंह को पर्यटन मंत्रालय का प्रभा दिया गया है। मंत्री मोतीलाल प्रसाद- कला, संस्कृति एवं युवा को विभाग दिया गया है। वहीं मंत्री कृष्ण कुमार मंटू को सूचना प्रावैधिकी विभाग दिया गया है। मंत्री विजय मंडल-आपदा प्रबंधन विभाग दिया गया है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के विभाग में बदलाव किया गया है। विजय सिन्हा उन्हें अब कृषि, खान-भूतत्व विभाग मिला है। डॉ. प्रेम कुमार- सहकारिता, मंगल पांडेय-स्वास्थ्य-विधि, नीतीश मिश्रा-उद्योग, मंत्री नीतीन नवीन को पथ निर्माण व मंत्री संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन विभाग का प्रभार मिला है।

मुजफ्फरपुर शहर के तिलक मैदान स्थित भवन में आयोजित कार्यक्रम

बोले कृष्णा अल्लावरू... सीएम नीतीश के कैबिनेट में हिस्ट्रीशीटर को दी गई जगह

केटी न्यूज/पटना

बिहार में कैबिनेट विस्तार को लेकर कांग्रेस पार्टी ने बड़ा हमला करते हुए कहा कि इस बार तो सरकार ने हद कर दी। इस नई कैबिनेट में अब तो हिस्ट्रीशीटर को जगह दिया गया है। मुजफ्फरपुर शहर के तिलक मैदान स्थित भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने नए मंत्रिमंडल विस्तार पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने नए मंत्रियों को हिस्ट्रीशीटर बताया है। अब तो जो नए मंत्रियों ने शपथ ली है, उन पर हत्या जैसे गंभीर आरोप हैं। बीजेपी जेडीयू की इस डबल इंजन की सरकार को लॉ एंड आर्डर को चैलेंज कर रहे हैं। अब तो लग रहा है कि बिहार में असली जंगलराज है। मोदी और अमित शाह ने बिहार को पीछे धकेल दिया है। दअरसल, मुजफ्फरपुर जिले में चार जिलों का कार्यकर्ता सम्मेलन गुरुवार को रखा गया था। इसमें दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और मधुबनी के कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी को बूथ लेवल पर मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। उत्तर बिहार में अधिक से अधिक विधानसभा सीट जीतने पर जोर दिया गया। पिछले विधानसभा में मिली हार की इस बार हम अच्छे से समीक्षा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्ण अल्लावरू के अलावा भी महिला कमेटी की अध्यक्ष अलका लांबा और प्रदेश कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष अखिलेश सिंह समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश प्रभारी कृष्ण अल्लावरु ने कहा कि बिहार में जो नए मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ है, उसमें हिस्ट्रीशिटरों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि मैं इसे तो किसी भी सूरत में अब मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं कहूंगा। यही नहीं इस सरकार में जिन्हें भी नया मंत्री बनाया गया है, उनके ऊपर बहुत सारे हत्या के मामले दर्ज रहे हैं, जिन पर बहुत सारे आरोप हैं। वैसे लोगों को चुनाव से पहले मंत्री बनाकर अमित शाह मोदी और नीतीश कुमार ने यह साबित कर दिया है कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर की जरूरत नहीं है।

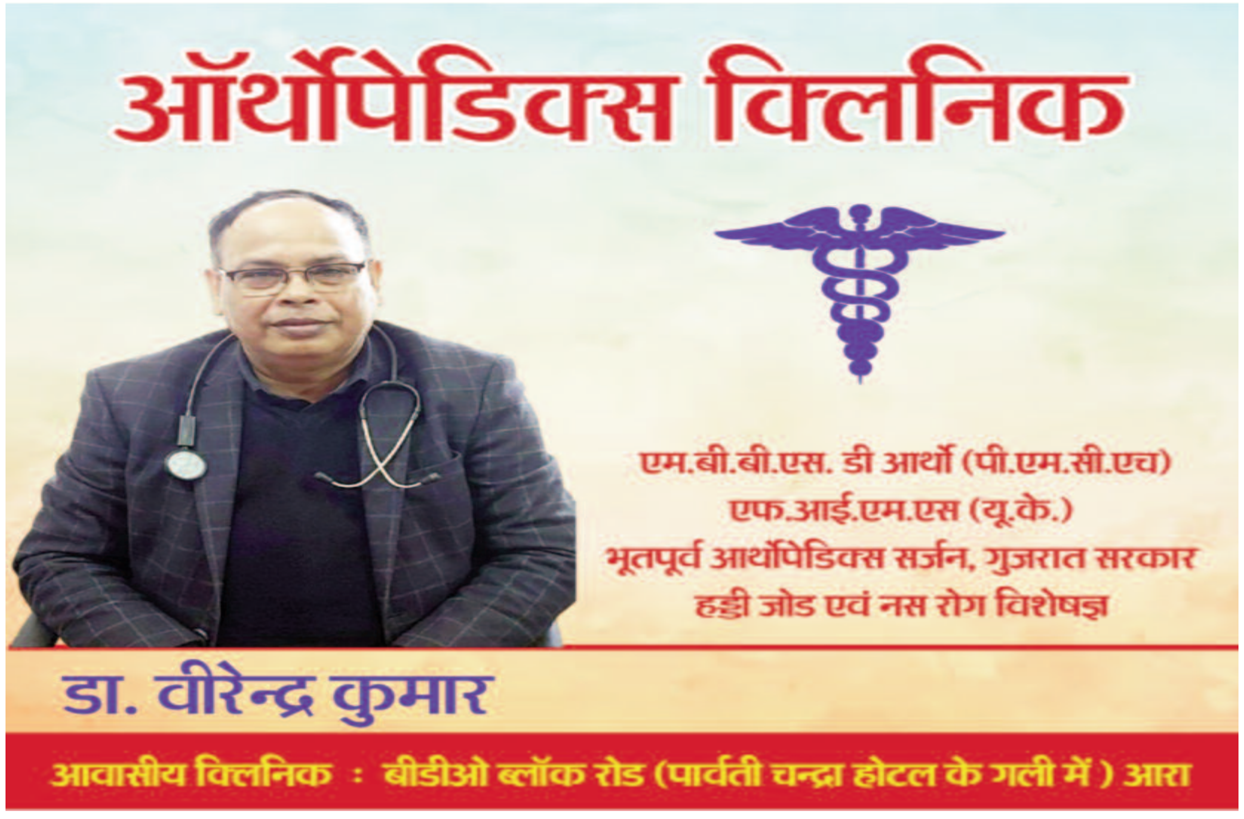

बक्सर गोलंबर से डुमरांव तक एक लेन में खड़ी रहीं ट्रकें, दूसरे लेन में रेंगते रहे वाहन

पूरे दिन जाम से कराहता रहा बक्सर से डुमरांव शहर, नहीं मिली निजात; घंटों फंसे रहे विधायक

- डुमरांव में दिनभर लगा रहा महाजाम, घंटों परेशान हुए यात्री व स्कूली बच्चे
- शहर के विष्णु मंदिर त्रिमुहानी से कृषि कॉलेज मोड़ तक पूरे दिन बाधित होते रहा परिचालन, लिंक रोड भी बाधित

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

महाकुंभ समाप्त होने के बाद भी बक्सर को जाम से मुक्ति नहीं मिल पाई है। गुरुवार को भी पूरे दिन जिले के विभिन्न मार्गों पर जाम लगा रहा। इस दौरान वहानों चालकों से लेकर आम यात्रियों तथा स्कूली छात्रों को खासी फजीहत झेलनी पड़ी। इस जाम से निजात दिलाने में स्थानीय प्रशासन बेबस नजर आया। जिस कारण लोगों को पूरे दिन परेशान होना पड़ा।

जानकारी के अनुसार एनएच 922 पर एक बक्सर से ब्रह्मपुर तक एक लेन में पूरे दिन सैकड़ों की संख्या में ट्रक खड़ा रही। वहीं, डुमरांव बिक्रमगंज पथ के अलावे चौसा मार्ग पर भी सड़क का एक हिस्सा ट्रकों के कारण जाम रहा। यूपी प्रशासन के लापरवाह रवैये के कारण ट्रकों का परिचालन शुरू नहीं होने से इस जाम का निजात दिलाने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। हालांकि, बक्सर के शहरी क्षेत्र में इस जाम को कोई विशेष असर नहीं पड़ा। गोलंबर के बाद के बाद शहर में जाम की नौबत नहीं आई। बावजूद शहरवासियों को इस जाम से परेशान होना पड़ा।

डुमरांव में लगा रहा महाजाम : गुरूवार को पूरे दिन डुमरांव में महाजाम लगा रहा। इस दौरान मुख्य पथ स्टेशन रोड में एक तरफ ट्रक खड़े थे तो बाकी की सड़क से ही दोनों तरफ के वाहन गुजर रहे थे। जिस कारण जाम की समस्या गंभीर हो गई थी। इस दौरान प्रखंड कार्यालय के पास कुछ देर तक पुलिस टीम ने जाम में फंसे वाहनों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन ट्रकों का परिचालन शुरू नहीं होने से पुलिस को जाम हटाने में सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद प्रशासन बेफिक्र हो गया। जिसका नतीजा रहा कि सुबह से शाम तक जाम लगा रहा। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात से ही यूपी प्रशासन द्वारा ट्रकों समेत भारी वाहनों के प्रवेश को रोक दिया गया है, जिस कारण वीर कुंवर सिंह सेतु से होकर गुजरने वाले वाहनों के रफ्तार पर ब्रेक लग गया था, यहीं कारण है कि एनएच 922 पर बक्सर से ब्रह्मपुर तक एक लेन में तथा डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर पश्चिमी रेलवे क्रासिंग से कोरानसराय तक सड़क के एक तरफ ट्रकों की लाइन लग गई थी।

पूरे दिन रेंगते रहे वाहन, परेशान दिखे यात्री : गुरूवार को ट्रकों का परिचालन ठप होने से सबसे अधिक जाम का दंश डुमरांव शहर को भुगतना पड़ा। खासकर विष्णुमंदिर त्रिमुहानी से लेकर राज हाई स्कूल तक पूरे दिन जाम लगा रहा, इस दौरान वाहन रेंगते रहे। कई यात्री को जाम से परेशान हो अपने निर्धारित वाहन को छोड़ पैदल ही रेलवे स्टेशन या शहर की तरफ जाते दिखे। इस दौरान यात्री व्यवस्था को कोसते नजर आ रहे थे। लोगों का कहना था कि आए दिन जाम लग रहा है, बावजूद प्रशासन इसका स्थानीय समाधान नहीं निकाल पा रहा है। यात्रियों ने कहा कि जाम के कारण अक्सर उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशान होना पड़ता है।

ध्वस्त हुई ट्रैफिक व्यवस्था को पटरी पर लाना : बता दें कि वीर कुंवर सिंह सेतु से होकर हर दिन बालू लदे हजारों वाहन बक्सर से यूपी की सीमा में प्रवेश करते है। इधर पिछले कुछ महीने से यूपी सरकार बिना स्थानीय प्रशासन को सूचना दिए अचानक नो इंट्री लागू कर दे रहा है, जिस कारण बिहार में जाम का दंश झेलना पड़ रहा है। यूपी प्रशासन के सहयोग के बिना बक्सर में जाम का स्थायी समाधान निकालना जिला प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। आलम यह है कि आए दिन बक्सर में जाम का दंश झेलना पड़ रहा है, जबकि ट्रकों के कारण ध्वस्त हुई जिले की टैजफिक व्यवस्था को पटरी पर लाना प्रशासन के लिए चुनौती बना रहा।

लिंक रोड में भी लगा रहा जाम

मुख्य पथ में भयंकर जाम से बचने के लिए दुपहिया तथा छोटे वाहन चालक पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग से बड़ाबाग पथ व सुप्रभात पथ से होकर शहर में जा रहे थे। इसके अलावे राजवाहा मार्ग से भी वाहन चालक गुजरते रहे। मुख्य पथ पर पूरे दिन जाम लगने से लिंक रोड पर भी इसका असर पड़ा तथा कई बार बड़ा बाग पथ, जंगलीनाथ शिव मंदिर पथ तथा डुमरांव व भोजपुर राजवाहा मार्ग पर जाम लगते रहा। इस दौरान कही भी पुलिस प्रशासन नजर नहीं आया।

जिला प्रशासन से बात कर स्थायी समाधान का होगा प्रयास

शहर में लगने वाले जाम से आम से लेकर खास तक सभी परेशान हो गए है। गुरूवार को डुमरांव में जाम के दौरान खुद डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह दो घंटे तक फंसे रहे। इस दौरान उन्हें भी हर दिन आम जनता को होने वाली परेशानियों से रूबरू होना पड़ा। डुमरांव विधायक ने कहा कि जाम से निजात दिलाने के लिए मैने सदन में बाईपास सड़क निर्माण का मुद्दा उठाया था। बाईपास निर्माण अभी प्रक्रियाधीन है। जिला प्रशासन से बात कर इस समस्या के स्थायी समाधान का प्रयास किया जाएगा।

ट्रकों को शहर से बाहर खड़ा कराने का प्रयास किया जाएगा

"यूपी प्रशासन के अड़ियल रवैये के कारण डुमरांव तथा बक्सर में जाम लग रहा है। यूपी प्रशासन से बार-बार वार्ता कर नो-इंट्री की पूर्व जानकारी देने की बात कही गई है। फिलहाल शहरी क्षेत्र में सड़क के एक साइड में खड़े होने वाले ट्रकों को शहर से बाहर खड़ा कराने का प्रयास किया जाएगा। जल्दी ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

– राकेश कुमार सिंह, एसडीएम, डुमरांव

एफपीओ के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से एफसीआई को गेहूं दे सकेंगे किसान

- जिले के एफपीओ प्रतिनिधियों के साथ एफसीआई के मंडल प्रबंधक ने की बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय के पाण्डेयपट्टी स्थित भारतीय खाद्य निगम के मंडल कार्यालय में गुरुवार को मंडल प्रबंधक राजेश सिंह पंगती की अध्यक्षता में जिले भर के एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाईजेशन) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें गेहूं खरीद प्रक्रिया को लेकर एफपीओ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मंडल प्रबंधक ने बताया कि सरकार ने विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है, जिससे यह 2425 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। उन्होंने एफपीओ (फार्मर प्रोडूसर आगेनाईजेशन) के प्रतिनिधियों को उनके सशक्त भागीदारी एवं उनसे जुड़े किसानों को सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना गेहूं बेचने हेतु जागरूक करने की पहल की। बैठक में किसान प्रतिनिधियों को खरीद प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी तथा उनके सुझाओं को अग्रेतर कार्यवाही हेतु नोट किया गया। मंडल कार्यालय, बक्सर के अधीन तीन राजस्व जिलेकृबक्सर, रोहतास और कैमूर आते हैं। मंडल प्रबंधक ने बताया कि इन जिलों में कुल 30 गेहूं क्रय केंद्र खोले जाएंगे। बक्सर जिले में सात, रोहतास में 10 और कैमूर में 13 केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जहां किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद की जाएगी।

किसानों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित डीबीटी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी गई है। मंडल प्रबंधक ने बताया कि बिहार में कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर पंजीकृत किसान नजदीकी सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विटल की दर से गेहूं बेचकर सीधे अपने बैंक खाते में 48 घंटे के भीतर भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। बैठक के दौरान किसानों को गेहूं खरीद प्रक्रिया की सभी शर्तों और आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे सरकारी नीतियों का पूरा लाभ उठा सकें।

बैठक में मंडल कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रबंधक (अधिप्राप्ति) राहुल कुमार, प्रबंधक (लेखा) शशि भूषण कुमार और प्रबंधक (सामान्य) सामंता मैहर, प्रबंधक (गुण नियंत्रण) प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह एवं मरनाथ पाठक भी शामिल थे। इसके अलावे केसठ एफपीओ के निदेशक कृष्ण कुमार दुबे, प्रीतम कुमार सहित जिले के कई एफपीओ प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

टीएलएम से शिक्षकों की नवाचार क्षमता के साथ शिक्षण शैली का होता है मूल्यांकन : बीईओ

चौसा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में गुरुवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षक शिक्षण सामग्री मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में प्रखंड के सभी ग्यारह सीआरसीसी के शिक्षक शिक्षण सामग्री लेकर भाग लिए थे। जिसमें तीन बेहतर शिक्षण सामग्री लाने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया।
कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ अशोक कुमार व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार द्वारा फीता काट व दीप प्रज्वलित कर किया गया। मेले में शिक्षकों ने बच्चों के शिक्षण को सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए अपनी-अपनी ओर से रचनात्मक शिक्षण सामग्री प्रस्तुत की। बीईओ हृषिकेश कुमार ने बताया कि टीएलएम प्रतियोगिता के माध्यम से शिक्षकों की नवाचार क्षमता और शिक्षण शैली का मूल्यांकन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे बच्चों को रोचक एवं सरल तरीके से पढ़ाने में कितने सक्षम हैं। यह मेला शिक्षकों के लिए न केवल अपनी शिक्षण विधियों को प्रदर्शित करने का एक मंच बना, बल्कि बच्चों को रुचिकर एवं प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए नवीन प्रयोगों को अपनाने की प्रेरणा भी दी। निर्णायक टीम में रवि मिश्रा, ईश्वरानन्द विश्वकर्मा व असगर अली शामिल थे।

डुमरांव में बिजली चोरी करते एक धराया

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के शहीद मर्द रोड मोहल्ले मे मीटर बाइपास कर अवैध रूप से बिजली जलाते एक उपभोक्ता को छापेमारी के क्रम में बिजली विभाग के अधिकारियों ने पकड़ा। उक्त उपभोक्ता खिलाफ डुमरांव के कनीय विद्युत अभियंता मनीष कुमार ठाकुर द्वारा 18,772 रुपये का जुमार्ना लगाते डुमरांव थाने में मामला दर्ज कराया गया है। थानाध्यक्ष शंभू भगत ने आरोपी के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

एक नजर

होली से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 100 लीटर शराब जब्त, महिला समेत दो गिरफ्तार

बक्सर। होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मुफस्सिल पुलिस ने बुधवार रात विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान तीन अलग-अलग स्थानों से लगभग 100 लीटर देशी व ब्रांडेड अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि तस्करी में इस्तेमाल एक बाइक भी जब्त की गई। मुफस्सिल पुलिस ने इस्माइलपुर स्थित एक मकान में छापा मारकर 10 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद की। इस दौरान शराब बिक्री में संलिप्त पूनम देवी, पत्नी मुन्ना राम को गिरफ्तार किया गया। दूसरी करवाई गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने संतोषी माता मंदिर के पास यूपी से लाई जा रही 8.100 लीटर ब्रांडेड शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया युवक रोहित कुमार, पुत्र कमलेश साह (निवासी लालगंज) है। उसके पास से 180 एमएल की 45 पीस अंग्रेजी शराब स्कॉच की बोतल बरामद हुई। जबकि, तीसरी कार्रवाई ठोरा पुल के पास यूपी से लाई जा रही तस्करी की शराब को लेकर आ रहे दो युवकों का पुलिस ने पीछा किया। मल्लाह चकिया के पास आरोपी शराब व पल्सर बाइक छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 10 पेटी देशी शराब बरामद की, जिसमें 200 एमएल के 449 टेट्रा पैक कुल 89.800 लीटर शराब मिली। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि होली पर्व की शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

डुमरांव में सात फेरों के बंधन में बंधे दिव्यांग जोड़े, बीडीओ ने दिया प्रमाण पत्र

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित निबंधन कार्यालय में उस समय जश्न मनने लगा जब दो दिव्यांगों की शादी का प्रमाण पत्र उन्हें दिया गया। गुरूवार को बीडीओ संदीप कुमार पांडेय की उपस्थिति में शादी-शुदा जोड़ा को प्रमाण पत्र दिया गया। मालूम हो कि डुमरांव प्रखण्ड के पुराना भोजपुर निवासी रौशन कुमार मानसिक रूप से दिव्यांग हैं और कसियां पंचायत निवासी कंचन कुमारी के परिवार ने आपसी रजामंदी के साथ दोनों को एक सूत्र में बांधते हुए शादी करा दिया था। फिर शादी का प्रमाण पत्र लेने के लिये गुरूवार को प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित निबंधन कार्यालय में पहुंचे थे। मौके पर निबंधन कार्यालय के बड़ाबाबू बिनोद कुमार, पिता दारा सिंह व वर पक्ष की तरफ से गवाह के रूप में गौरव कुमार, अमन कुमार गुप्ता, व राज्य महिला प्रकोष्ठ प्रभारी पीडब्लूडी के द्वारा कराया गया। सभी ने मिलकर वर और वधू को आशीर्वाद दिया। इनके प्रमाण पत्र लेने के समय काफी लोग देखने के लिये मौजूद रहे और सभी ने खुशी जाहिर की।

नगर भवन में उर्दू भाषा के संवर्धन हेतु कार्यशाला आयोजित, बोले जिलाधिकारी...

उर्दू साहित्य, संस्कृति व भाईचारे का प्रतीक

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य उर्दू निदेशालय, जिला प्रशासन एवं जिला उर्दू कोषांग के संयुक्त तत्वावधान में उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन के उद्देश्य से कार्यशाला, सेमिनार एवं मुशायरे का भव्य आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने नगर भवन बक्सर में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि यह साहित्य, संस्कृति और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा की विशेषता यह है कि यह हिंदी, फारसी, संस्कृत और अरबी भाषाओं के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसकी व्याकरण और मुहावरे हिंदी भाषा से इतने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं कि उन्हें अलग करना कठिन हो जाता है।

जिलाधिकारी ने उर्दू साहित्य की समृद्ध परंपरा पर भी चर्चा की और कहा कि मुनशी प्रेमचंद, कृशन चंदर, राजेंद्र सिंह बेदी, पंडित रतननाथ सरशार, जगन्नाथ आजाद, फिराक गोरखपुरी और गोपीचंद नारंग जैसे महान साहित्यकारों ने उर्दू साहित्य को नई ऊँचाइयों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उप विकास आयुक्त महेंद्र पाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस आयोजन की सफलता की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम भाषाई एवं सांस्कृतिक समृद्धि के लिए आवश्यक हैं।

उर्दू की अपनी अलग पहचान : वहीं, कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि उर्दू एक ऐसी भाषा है जो दिलों को जोड़ती है। इसकी अपनी अलग पहचान है और इसमें कोमलता, मिठास एवं गहराई है, जो इसे दुनिया की सबसे प्रभावशाली भाषाओं में शामिल करती है। इस दौरान बक्सर नगर परिषद अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन उर्दू भाषा की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम में रही इनकी महत्वपूर्ण भूमिका : इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहम्मद अमानुल्लाह, उर्दू अनुवादक, जिला उर्दू भाषा कोषांग एवं मोहम्मद जहांगीर अंसारी, उर्दू अनुवादक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों ने उर्दू भाषा के संवर्धन एवं संरक्षण के लिए अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी बक्सर, जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर एवं नगर परिषद अध्यक्ष उपस्थित थे।

एसपीजीआरओ के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले कई सरकारी कर्मी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के विभिन्न विभाग के कार्यालय में गुरुवार को अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी (एसपीजीआरओ) कृष्ण कुमार ने डीएम के निर्देश पर निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखंड कार्यालय में बिना सूचना के आईटी असिस्टेंट अभय कुमार बिना सूचना के लंबे समय से गायब रहे। वही ऑपरेटर रवि कुमार भी गायब रहे। जिसकी जानकारी बीडीओ ने देते हुए बताया कि ऑपरेटर नवानगर प्रखंड में जेएसएस से पत्र पर हस्ताक्षर कराने गए है।

वहीं, अंचल में भी कई खामियां उजागर हुई। जिसे सुधारने का निर्देश अंचलाधिकारी को दी। एसपीजीआरओ ने बताया कि निरीक्षण में गायब कर्मियों से स्पष्टिकरण की मांग की जाएगी। उचित जवाब नहीं मिलने पर करवाई की जायेगी। जांच के दौरान बीडीओ, सीओ को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया गया।

पंचायत समिति की बैठक में हंगामे के बीच कई योजनाओं पर लगी मुहर

- विश्वास मत खो चुकी निवर्तमान प्रखंड प्रमुख अनुपा देवी ने की बैठक की अध्यक्षता, विकास के सवाल पर गौण हुआ विरोध का स्वर

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरूवार को पंचायत समिति की बैठक स्थानीय प्रखंड कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वासमत खो चुकी निवर्तमान प्रमुख अनुपा देवी ने किया। बैठक की शुरूआत में सदस्यों ने उनकी अध्यक्षता का विरोध जताया और कहा कि जब निवर्तमान प्रमुख व उप प्रमुख पर अविश्वास मत पारित हो चुका है तब बैठक बुलाने का क्या औचित्य है। हालांकि, बाद में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय के समझाने व विकास के मुद्दे पर सदस्यों का विरोध थम गया तथा बैठक की कार्रवाई पूरी की गई।

बैठक में बीपीजीपी की योजनाओं का चयन किया गया। वहीं, विपक्षी खेमे के पूर्व प्रमुख सबीता देवी, सुनीता कुमारी और रुबी देवी सहित सोलह सदस्यों ने इस बैठक के औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब प्रमुख और उपप्रमुख के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है, तब यह बैठक किस हैसियत से बुलाई गई है। विरोधी खेमे के बीडीसी प्रमुख की अध्यक्षता को भी गैरकानूनी बता रहे थे। इस मुद्दे पर विपक्षी खेमे के 18 सदस्य बैठक में शिरकत नहीं कर रहे थे। कुछ बैठक में गए, पर रजिस्टर पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे थे। इस मुद्दे पर चर्चा हुई। बीडीओ संदीप पांडेय ने कहा कि यह मसला न्यायालय में है और न्यायालय ने बैठक पर रोक लगा दिया है। ऐसे में अगला आदेश आने के बाद ही कुछ हो सकता है।

इस मुद्दे पर देर तक गहमा गहमी बनी रही तथा सदस्य बार बार प्रमुख की अध्यक्षता व बैठक का विरोध कर रहे थे। जबकि अधिकारियों का तर्क था कि बीपीजीपी की योजनाओं को कल तक पोर्टल पर अपलोड करना है। यदि बैठक मे.योजनाएं नहीं ली गई, तो पंचायत समिति का क्षेत्र विकास से वंचित रह जाएगा। बाद में विकास के सवाल पर ही सदस्यों का विरोध शांत हुआ तथा सदस्यों ने बैठक की औपचारिकताएं पूरी कराई। बैठक में बीपीआरओ रोहिणी कुमारी, जेएसएस श्रीनिवास सिंह, एमओ विजय तिवारी, मुखिया देवेन्द्र कुमार सिंह, मो. असगर अली, विभा कुमारी और भरत तिवारी सहित कई अन्य पंचायतों के पंचायत समिति सदस्य तथा मुखिया मौजूद थे।

बिहार पुलिस सप्ताह-2025 के अंतिम दिन डुमरांव थाने में कराई गई क्विज प्रतियोगिता

प्रतियोगिता से छात्रों में बढ़ती है प्रतिस्पर्द्धा की भावना, विकसित होता है मस्तिष्कः डीएसपी

- पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों मिला साइकिल

केटी न्यूज/बक्सर

प्रतियोगिता से छात्र-छात्राओं में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा का विकास होता है। ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों का मस्तिष्क भी विकसित होता है। उक्त बातें गुरूवार को डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने डुमरांव थाना परिसर में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के समापन के मौके पर कही।

बता दें कि यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता पुलिस सप्ताह के तहत कराई गई थी, जिसमें शहर के आठ स्कूलों के बच्चें शामिल हुए। छात्रों के बीच पुलिस कर्मियों ने अपने स्तर से तैयारा कराए गए प्रश्न पत्रों के माध्यम से लिखित परीक्षा कराई गई। जिसमें प्रथम तीन स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप साइकिल दिया गया। जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल, लेजेड स्कूल, फाउंडेशन स्कूल, कैंब्रिज स्कूल, द लेजेंड स्कूल, राज हाई स्कूल व सीपीएसएस स्कूल के वर्ग नौ के दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

राइजिंग सन की निशा को मिला प्रथम पुरस्कार : पुलिस सप्ताह के तहत कराए गए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा निशा कुमारी पिता विमलेश गोंड को प्रथम, डीएवी स्कूल की श्रीजन पिता विनय कुमार दूबे को द्वितीय तथा इसी स्कूल की सुमन कुमारी पिता रविन्द्र कुमार को तृतीय स्थान के लिए चुना गया। प्रथम तीन स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को पुलिस द्वारा साइकिल देकर सम्मानित किया गया।

डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने सफल छात्रों को बधाई दी तथा इस प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित कराने वाले विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता भी इसी उदेश्य से करवाई जा रही है। मौके राइजिंग सन इंटरनेशल स्कूल के डायरेक्टर ब्रह्मा ठाकुर, चर्चित एंकर मिस्टर मनोज, अजितेश कुमार समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी व विभिन्न स्कूलों के शिक्षक मौजूद थे।

बिहार पुलिस सप्ताह के समापन पर वॉलीबॉल व क्रिकेट मैच का हुआ आयोजन

बक्सर। विगत पिछले सप्ताह से चल रहे बिहार पुलिस सप्ताह कार्यक्रम का गुरुवार को समापन किया गया। समापन पर पुलिस पब्लिक के बीच मैत्री सम्बन्ध बनाने के लिए खेल का आयोजन किया गया। जिसके तहत बालीबाल व क्रिकेट मैच खेला गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एसपी शुभम आर्य ने फीता काटकर की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस सप्ताह का आयोजन आरम्भ से लेकर समापन तक सफल रहा। अंतिम दिन खेल कार्यक्रम का आयोजन रखा गया था, जिसमे आम नागरिकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। आपसी तालमेल अच्छा रहा। इस कार्यक्रम का आयोजन पुलिस पब्लिक मैत्री सम्बन्ध समन्वय स्थापित करने के लिए था। आपसी समन्वय का यह आयोजन सफल रहा। समापन पर एक अच्छा व बेहतर तालमेल देखने को मिला। आगे भी पुलिस पब्लिक का सेटिंग कार्य चलता रहेगा। अंतिम दिन समापन पर पुलिस व आम नागरिकों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन था, जिसमे पुलिस टीम विजयी हुई। वही, बालीबाल में आम नागरिकों को मिला।

दोपहर तक बंद रहा मुरार का डाकघर, निराश लौटे खाताधारक

- एक पखवाड़े पहले भी बिना सूचना पूरे दिन बंद था डाकघर

केटी न्यूज/चौगाईं

स्थानीय प्रखंड के मुरार डाकघर के अनियमित खुलने का सिलसिला जारी है। गुरूवार को भी यह डाकघर दोपहर तक बंद रहा। जिस कारण दर्जनों खाताधारकों को निराश हो लौटना पड़ा।

सुबह से ही खाताधारक डाकघर पर पहुंचने लगे थे, लेकिन पोस्टमास्टर नदारद थे तथा गेट पर ताला लटका था। कई उपभोक्ता ऐसे भी थे, जो काफी दूर से आए थे। पोस्ट ऑफिस बंद होने से उन्हें निराश होना पड़ा। उपभोक्ताओं ने कहा कि पिछले पखवाड़े भी यह पोस्ट ऑफिस पूरे दिन बंद था। इस दौरान इसकी जानकारी वरीय पदाधिकारियों को दी गई थी, लेकिन वरीय पदाधिकारियों ने बताया था कि बक्सर कार्यालय में मीटिंग में शामिल होने के लिए पोस्ट मास्टर को बुलाया गया था तथा यह पोस्ट ऑफिस में सिर्फ एक पोस्टमास्टर की नियुक्ति ही की गई है। यही कारण है कि पूरे दिन ताला बंद था।

उपभोक्ताओं ने बताया कि अक्सर यह पोस्ट ऑफिस समय से नहीं खुलता है। जिस कारण उन्हें परेशान होना पड़ता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वरीय पदाधिकारियों के पास शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती है।

हालांकि, यहां तैनात पोस्टमास्टर ओमप्रकाश सिंह का तबादला कर दिया गया है, लेकिन नए पोस्टमास्टर ललन चौधरी के चले जाने पर पुराने पोस्टमास्टर ही यहां प्रभार में है।

इस संबंध में प्रभारी पोस्टमास्टर ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि वे दिनारा के पास से आते है। रास्ते में गाड़ी खराब हो गई थी, जिस कारण पोस्ट ऑफिस दोपहर तक बंद था। उन्होंने कहा कि दोपहर बाद खाताधारकों के कामों को निपटाया गया।

डुमरांव में दबंगों ने युवक को दौड़ाकर पीटा, सड़क जाम

डुमरांव। स्थानीय शहर में एक जांच घर संचालक तथा उसके सहकर्मियों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित ने आरोपितों पर एक लाख नगद व डेढ़ लाख रूपए मूल्य के सोने का चेन छिनने का आरोप भी लगाया है। इस दौरान स्टेशन रोड में भगदड़ मच गई थी। बाद में समर्थकों ने थाना के पास सड़क जाम भी कर दिया था। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सभी शांत हुए तथा पुलिस अभिरक्षा में युवक का इलाज कराया गया। पीड़ित कोपवां गांव निवासी ओमप्रकाश सिंह उर्फ लल्लू सिंह पिता स्व. कृष्णा सिंह ने पुलिस को दिए आवेदन में इस बात का जिक्र किया है कि वह किसी काम से गुरूवार की सुबह डुमरांव आया था। थाना के पास ही स्टेशन रोड में ओम जांच घर के पास वह जैसे ही अपनी बाइक से पहुंचा कि जांच घर संचालक राजकुमार, उसके सहयोगी गोविंद यादव, गौतम यादव व रवि यादव ने अचानक उससे छिनतई करने लगे, जिसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई।

आधुनिकता के दौर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एकजुटता को देता है पहचानः गामा पहलवान

केटी न्यूज/केसठ

महा शिवरात्रि के अवसर पर प्रखंड के धेनुवाडीह गांव में स्थित धनेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में बुधवार की रात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता बबलू सिंह ने किया वही संचालन अनिल सिंह ने किया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद पूर्व अध्यक्ष विद्या भारती, पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और पंचायत समिति अध्यक्ष मुन्ना सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भोजपुरी गायक अंजली यादव, सोनू सिंह, शिवम सागर, मनोज कुमार, प्रमोद चंद्र सहित अन्य गायकों ने अपने भक्ति गीतों से श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में काल्हे से शिव के मनायी हो शिव मानत नाहीं, पनिया लाले लाल, ऐ गौरा हमरो के चाही आदि कई भक्ति गीतों की प्रस्तुति की। इसके अलावा गायिका अजली यादव एवं अन्य ने बम बम बोल रहा है काशी आदि गीतों की प्रस्तुति की। ये कार्यक्रम समस्त ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। उसके बाद मंदिर कमिटी द्वारा मुख्य अतिथियों और कलाकारों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

निवर्तमान जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि संगीत मरहम होता है जो इंशानियत के जख्मों पर मरहम का काम करता है। पंचायत के मुखिया ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आपसी भाई चारा कायम होती है। लोग थोड़े देर के लिए ही सही लेकिन आपस में मिल जुल कर कुछ समय बिताते है। वहीं पंचायत समिति अध्यक्ष ने कहा कि समाज में सभी समुदाय को एकजुट होकर रहना चाहिए इस से समाज के साथ-साथ पुरे पंचायत में एकता का संदेश होगा। कार्यक्रम में उदय प्रताप सिंह, कारण सिंह, अवधेश सिंह सहित काफी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से 12 बजे व दूसरी पाली की परीक्षा एक बजे से तीन बजे तक होगी

10 मार्च से होगी एक से आठ तक की वार्षिक परीक्षा

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रतिकात्मक तस्वीर

सरकारी मध्य और प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत वर्ग एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं की वार्षिक परीक्षा 10 मार्च से शुरू होगी। यह परीक्षा 20 मार्च तक चलेगी। डुमरांव प्रखंड के 137 विद्यालयों में 31 हजार 218 परीक्षार्थी इस परीक्षा में हिस्सा लेंगे।

विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह के 10 बजे से 12 बजे तक जबकि दूसरी पाली की परीक्षा एक बजे से तीन बजे तक होगी। वार्षिक परीक्षा को लेकर स्कूलों में स्पेशल क्लास लगनी शुरू हो गयी है। सभी विषयों के पाठ्यक्रमों को पूरा कराया जा रहा है ताकि परीक्षार्थी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार जिस कक्षा के बच्चों की परीक्षा है, केवल वहीं निर्धारित तिथि को स्कूल आएंगे। परीक्षा कक्ष में बच्चे पेंसिल, रबर, कटर, कलम आदि लेकर आएंगे। बच्चे उस दिन किताब और कॉपी लेकर स्कूल नहीं आएंगे। वीक्षण कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों की सूची पांच मार्च तक विभाग को उपलब्ध कराये जाएंगे। प्रखंड शिक्षा परियोजना प्रबंधक निर्भय कुमार ने बताया के सभी स्कूलों में परीक्षा को लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बच्चे समयानुसार परीक्षा में शामिल होंगे।

परीक्षा का कार्यक्रम हुआ जारी : 10 मार्च को पहली पाली में वर्ग तीन से आठ के लिए पर्यावरण अध्ययन व सामाजिक विज्ञान जबकि दूसरी पाली में वर्ग छह से आठ के लिए विज्ञान, 11 मार्च को पहली पाली में वर्ग तीन से आठ के लिए राष्ट्रभाषा हिंदी व दूसरी पाली में वर्ग छह से आठ के लिए संस्कृत, 12 मार्च को पहली पाली में वर्ग तीन से पांच के लिए गणित व दूसरी पाली में वर्ग छह से आठ के लिए गणित, 17 मार्च को पहली पाली में वर्ग तीन से पांच के लिए हिंदी व उर्दू व दूसरी पाली में वर्ग छह से आठ के लिए हिंदी व उर्दू, 18 मार्च को पहली पाली में वर्ग तीन से पांच के लिए अंग्रेजी व दूसरी पाली में वर्ग छह से आठ के लिए अंग्रेजी, 19 मार्च को वर्ग एक व दो के लिए गणित की मौखिक परीक्षा जबकि दूसरी पाली में अंग्रेजी की मौखिक परीक्षा तथा 20 मार्च को वर्ग एक व दो के लिए हिंदी व उर्दू की मौखिक परीक्षा निर्धारित है। इस संबंध में स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। परीक्षा को लेकर स्कूलों की ओर से भी तैयारी शुरू कर दी गयी है।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय : दस मार्च तक पार्ट थर्ड के भरे जायेंगे परीक्षा फॉर्म, बढ़ाई गई तिथि

- स्नातक पार्ट थर्ड ओल्ड कोर्स की परीक्षा में 70 हजार विद्यार्थी होंगे शामिल
- वीर कुंवर सिंह विवि में सत्र 2023 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू है

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने स्नातक पार्ट थर्ड सत्र 2022 -25 के कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के प्रतिष्ठा, पास कोर्स, बीबीए, बायोटेक और फिश एंड फिशरीज की परीक्षा को लेकर फॉर्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। आगामी 10 मार्च तक उक्त सत्र के विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरेंगे। परीक्षा निकल नियंत्रक डॉ अनवारुल हक अंसारी ने बताया कि सत्र 2020-23 और सत्र 2021-24 के विद्यार्थी भी परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। बता दें कि स्नातक पार्ट थर्ड ओल्ड कोर्स की परीक्षा में 70 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा फॉर्म भरने वाले विद्यार्थियों को अपने कागजात का सत्यापन संबंधित कॉलेज में कराना होगा। इसके बाद ही एडमिट कार्ड जारी होगा। बता दें कि पिछले दिनों ओल्ड कोर्स में पार्ट वन और टू में प्रायोगिक परीक्षा से

वंचित विद्यार्थियों को मौका दिया गया था। मालूम हो कि वीर कुंवर सिंह विवि में सत्र 2023 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू है। इसके सेमेस्टर वन, टू और थर्ड की परीक्षा हो चुकी है। ओल्ड कोर्स में स्नातक सत्र 2022-25 की पार्ट वन और पार्ट टू परीक्षा आयोजित कर रिजल्ट जारी कर सत्र को नियमित रखा गया है। अब विवि ओल्ड कोर्स के पार्ट थर्ड सत्र 2022-25 की परीक्षा भी अप्रैल माह में आयोजित करने जा रहा है। पार्ट थर्ड की परीक्षा तीन अप्रैल से आयोजित होगी। यह परीक्षा नौ अप्रैल तक ली जायेगी। परीक्षा कैलेंडर के अनुसार नौ जून को पार्ट थर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया जायेगा, जिसके बाद पीजी सेमेस्टर वन सत्र 2025-27 में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी।

रिजल्ट से असंतुष्ट परीक्षार्थी रीटोटलिंग के लिए कर सकते हैं आवेदन आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक सेमेस्टर वन सत्र 2024-28 के प्रकाशित रिजल्ट में प्राप्तांक के पुनर्योग (रिटोटलिंग) के लिए आवेदन मांगा है। ऐसे परीक्षार्थी जो अपने रिजल्ट से असंतुष्ट हैं, वे अपना आवेदन संबंधित विभाग और कॉलेज में आवेदन करेंगे। इसके बाद कॉलेज आगामी 10 मार्च तक परीक्षा विभाग को कागजात जमा करेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ अनवारुल हक अंसारी ने बताया कि प्रति पेपर के लिए डेढ़ सौ रुपये निर्धारित शुल्क के साथ अपना आवेदन जमा करेंगे। बताया कि कॉलेज परीक्षार्थियों से प्राप्त कागजात की समीक्षा करने के बाद सूची बनाकर शुल्क बैंक चलान के माध्यम से जमा कराकर 10 मार्च तक विवि परीक्षा विभाग में भेजेंगे।

वीकेएसयू में पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि सात मार्च तक बढ़ी

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा वर्ष 2023 और वर्ष 2024 के लिए आवेदन करने की तिथि सात मार्च तक बढ़ा दी है। पहले आवेदन की तिथि 28 फरवरी तक निर्धारित थी। अब तक आवेदन से वंचित अभ्यर्थियों को विवि ने मौका दिया है। बता दें कि अब तक 3700 से अधिक आवेदन आ चुका है। परीक्षा नियंत्रक प्रो अनवारूल हक अंसारी ने बताया कि पीएचडी 2023 और पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2024 के लिए आवेदन लिए जा रहा हैं। बताया कि कई विषयों में रिक्ति बढ़ी है। ऐसे विषय जिनमें रिक्ति नहीं थी, उसमें भी रिक्ति विभाग से प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।बताया कि परीक्षार्थियों की ओर से दिये गये आवेदन के आलोक में केवल पुनर्योग किया जायेगा।

शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर फौजी पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा

मुंडन संस्कार से लौट रहे ऑटो को ट्रक ने मारी टक्कर, 4 लोगों की मौत

- भयानक सड़क हादसे से पसरा मातम
- हादसे में 6 से ज्यादा लोग जख्मी, पुलिस जांच शुरू
- मुंडन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रोहतास के गुप्ता धाम गये थे

केटी न्यूज/आरा

आरा में गुरुवार की अहले सुबह भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 6 से ज्यादा लोग जख्मी भी हो गए। ये लोग गुप्ता धाम से मुंडन कराकर लौट रहे थे। इसी दौरान आरा-बक्सर मुख्य मार्ग पर शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर फौजी पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक ने ऑटो को भीषण टक्कर मार दी। इसमें राघोपुर थाना (वैशाली) क्षेत्र के फतेहपुर पंचायत नयकीपरा टोला के रहने वाले मनोज महतो के सात वर्षीय पुत्र अजीत कुमार, सरायपुर छैकियां निवासी सुहागी देवी की मौत हो गई।

मनोज महतो की पत्नी अनीता देवी रायपुर पंचायत छैकिया गांव निवासी किशन महतो के पत्नी प्रमिला देवी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि दो मृतक पटना जिला और दो वैशाली जिला गंगा ब्रिज थाना छौकियां गांव निवासी शिवनंदन महतो की 50 वर्षीय पत्नी सुहागी देवी, राघोपुर थाना क्षेत्र फतेहपुर पंचायत नयकापारी गांव निवासी मनोज महतो के सात वर्षीय पुत्र अजीत कुमार के रूप में पहचान हुई है। बताया जाता है कि पुलिस के द्वारा सभी मृत व्यक्ति को आरा सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। शव को मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया। नएकापरी गांव में अजीत कुमार के मृत्यु की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम छाया हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को अनीता देवी अपने पुत्र अजीत कुमार और प्रमिला देवी दाउदपुर पटना दानापुर निवासी अपनी बहन के पुत्र के मुंडन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रोहतास के गुप्ता धाम गई हुई थी। ऑटो से मुंडन कर लौटने के दौरान भोजपुर आरा कोईलवर थाना क्षेत्र राजपुर गांव के निकट ट्रक वालों ने धक्का मार दिया।

ऑटो में सवार अजीत कुमार की मौत एवं अनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जाता है कि मृतक के पिता मनोज महतो करीब दो महीने पहले गोवा में काम धंधा के तलाश में गए हुए हैं। वहीं, फतेहपुर नयकीपरा टोला निवासी शिवनाथ महतो की पत्नी प्रमिला देवी ने बताया कि हमको दो बेटी, तीन बेटा समेत पांच बच्चे हैं। हमारी गौतमी अनीता देवी पति मनोज महतो को कोई संतान नहीं था। मेरा छोटा पुत्र अजीत कुमार जन्म के चार दिन का था तो अपनी गोतनी अनीता देवी को पोसपुत्र के रूप में दे दिया था। अनीता देवी मेरी पुत्र को लेकर अपनी बहन के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। लौट के दौरान हादसा में अजीत कुमार की मौत हो गया।पुलिस के मुताबिक, पटना के दाउदपुर गांव के रहने वाले नारायण महतो के पुत्र के मुंडन को लेकर कई लोग कैमूर जिले के गुप्ता धाम गए थे। सभी लोग पूजा अर्चना के बाद एक ऑटो पर सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ऑटो में पेट्रोल समाप्त हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और राहत, बचाव कार्य में जुट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम कराने के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना में पांच से छह लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ताकि आगे की कार्रवाई हो सके।

इंटर की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू, बनाये गये हैं पांच केंद्र

आरा। इंटर वार्षिक 2025 की परीक्षा की समाप्ति के बाद समय पर रिजल्ट प्रकाशन को लेकर बिहार बोर्ड तैयारियों में जुट गया है। गुरुवार से इंटर की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया। मूल्यांकन आठ मार्च तक होगा। भोजपुर जिले में पांच मूल्यांकन केंद्र बनाये गये हैं। मूल्यांकन कार्य में प्रतिनियुक्त परीक्षक, शिक्षक और अन्य कर्मियों ने योगदान किया, जिसके बाद उनके बीच उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए वितरित की गई। इंटर वार्षिक परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं का स्वच्छ, कदाचारमुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन के लिए आदेश जारी किया गया है। मूल्यांकन कार्य स्थल पर अनावश्यक भीड़ से बचने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है।

बिहियां में अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार रिटायर सैनिक को मारी टक्कर, मौत

- इलाज के लिए बिहिया पीएचसी ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में तोड़ा दम
- बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता रोड स्थित धर्म कांटा के समय गुरुवार की दोपहर घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता रोड स्थित धर्म कांटा के समीप गुरुवार की दोपहर अनियंत्रित डंपर में बाइक सवार रिटायर्ड आर्मी मैन को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी की मौत हो गई।इलाज के लिए बिहिया पीएचसी ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी रही। वहीं घटना के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव निवासी बृजनंदन सिंह के 58 वर्षीय पुत्र नंदकेश्वर सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह है। वह रिटायर्ड आर्मी मैन थे एवं वर्ष 2005 में आर्मी से रिटायर्ड हुए थे। इधर मृतक के छोटे भाई मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने बेटे आदित्य को नवोदय विद्यालय में गुरुवार की सुबह इंटर का परीक्षा दिलवाने के लिए छोड़ने गए थे और वापस आ गए थे। इसके बाद दोपहर वह अपने बाइक पर सवार होकर वापस अपने बेटे को नवोदय विद्यालय से लाने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान बिहिया चौरस्ता रोड स्थित धर्म कांटा के समीप विपरीत दिशा से आ रही डंपर में उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके वहां मौजूद लोगों ने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन वहां पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनो ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर हमें करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी सुलेखा देवी व चार पुत्री पिंकी देवी, नीतू देवी,ज्योति देवी,नेहा देवी एवं पुत्र आदित्य सिंह है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

मेडिकल कॉलेज सहित 4000 करोड़ की योजनाएं मंजूर

कैमूर। कैमूर में विकास को नई रफ्तार मिलने वाली है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने चैनपुर प्रखंड के नवघड़ा ने जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सीएम की प्रगति यात्रा के दौरान की गई सभी घोषणाएं मंत्रिमंडल से पास हो गई है। मेडिकल कॉलेज के निर्माण पर 402 करोड़ 14 लाख रुपए खर्च होंगे। सोन नदी कोहीरा लिंक परियोजना 154 करोड़ 54 लाख 28 हजार रुपए की लागत से बनेगी। जमनिया से ककरैत गंगाजल सिंचाई योजना के लिए 528 करोड़ 44 लाख 37 हजार रुपए मंजूर किए गए है। भगवानपुर प्रखंड में 37 करोड़ 11 लाख 15 हजार रुपए की लागत से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा।

हथियार बरामदगी व गिरफ्तारी में लाएं तेजी : एडीजी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर की पुलिसिंग का हाल जानने अपर पुलिस महानिदेशक (विधि व्यवस्था) पंकज कुमार दरार गुरुवार को आरा पहुंचे। इस दौरान एडीजी ने एसपी राज सहित अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। पुलिस ऑफिस से लाइन तक के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान एडीजी द्वारा आर्म्स रिकवरी के अलावा आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास एवं हत्या कांड में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। उसमें तेजी लाने का आवश्यक निर्देश दिया। पुलिस ऑफिस के कंट्रोल रूम और लेखा शाखा सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इन शाखाओं की कार्यप्रणाली

की विस्तृत समीक्षा कर उन्हें और अधिक प्रभावी एवं सुचारू रूप से संचालित करने का महत्वपूर्ण सुझाव दिया। एडीजी ने न्यू पुलिस लाइन में कार्यरत विभिन्न शाखाओं का भी निरीक्षण किया गया। शाखाओं की कार्यप्रणाली, संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस वाहनों का निरीक्षण कर उनकी उपलब्धता, संचालन व रखरखाव की समीक्षा की। जिले की विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए भी एडीजी द्वारा आवश्यक निर्देश दिया गया। कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित रखने के साथ अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा की गई। मौके पर एसपी राज के अलावा, एएसपी परिचय कुमार, सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह, जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह और पीरो एसडीपीओ अबू सैफी मुर्तजा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के अंतर्गत खेली जा रही है सीनियर डिवीजन प्रतियोगिता

भोजपुर जिला क्रिकेट लीग के दूसरे सेमीफाइनल में एक्सट्रीम 11 क्रिकेट क्लब 44 रनों से विजयी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के अंतर्गत खेली जाने वाली जिला क्रिकेट लीग के सीनियर डिवीजन के दूसरे सेमीफाइनल में आज बिहिया क्रिकेट अकादमी ब्लू बनाम एक्सट्रीम 11 क्रिकेट क्लब के बीच मैच महाराजा कॉलेज की टर्फ विकेट पर हुआ। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक्सट्रीम 11 क्रिकेट क्लब की टीम ने 35 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। एक्सट्रीम 11 की तरफ से सौरभ जी ने सर्वाधिक 40 रन, प्रकाश ने 21 रन ,अजीत में 31 रन, विपुल ने 24 रन, गौतम ने 15 रन, आशुतोष ने 17 रन तथा राहुल ने

18 रनों का योगदान किया। बिहिया क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए शिवम सिंह ने सर्वाधिक पांच विकेट, हृदयानंद ने तीन विकेट तथा मृत्युंजय एवं प्रवीण को एक-एक विकेट मिला।189 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहिया क्रिकेट अकादमी ब्लू की पूरी टीम 20 ओवर में 94 रन बनाकर आउट हो गई। बिहिया क्रिकेट अकादमी की तरफ से हृदयानंद ने सर्वाधिक 28 रन, अमर ने 21 रन, आशीष ने 13 रन एवं प्रवीण ने 12 रनों का योगदान किया। एक्सट्रीम 11 की तरफ से समरेश सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6.1 ओवर में 10 रन देकर 6 विकेट लिए और अपनी टीम को जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वही गौतम को तीन विकेट मिला। इस प्रकार एक्सट्रीम क्रिकेट क्लब ने यह मैच 94 रनों से जीत लिया। इसकी जानकारी जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनीत कुमार राय (ज्ञानू) ने दी।आज के मैच के मैन ऑफ द मैच एक्सट्रीम 11 के समरेस को जिला पैनल के अंपायर द्वारा शाहाबाद पारा मेडिकल कॉलेज की तरफ से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आज के मैच के निर्णायक अभिषेक रंजन एवं नवीन थे, स्कोरिंग अमृतोषने की। मैच के दौरान जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी विभिन्न क्लबो के खिलाड़ी एवं पदाधिकारी, यशवंत सिंह, चंद्र प्रकाश नारायण ,लीग संयोजक आकाश कुमार ,कुमार विजय उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर क्राइम के बढ़ते खतरे को लेकर सतर्कता जरूरी : डीजी

धनबाद, एजेंसी। डीजीएमएस मुख्यालय धनबाद में बुधवार को 'ट्रॉय दिशानिर्देश और संगठनात्मक और व्यक्तिगत साइबर सुरक्षा' पर विकास भवन के वर्कशॉप हॉल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन डीजीएमएस के डीजी उज्ज्वल ताह, डीडीडी अजय सिंह, डीडीजी (स्टेट) जेपी आर्य, बीएसएनएल के डीजीएम (एनडब्ल्यू) अन्विता नाथ व बीएसएनएल के एजीएम (ईबी) कमलेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। जबकि समन्वय डीजीएमएस के निदेशक (सोमा) एन बाला सुब्रमण्यम ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को ट्रॉय दिशा–निर्देशों, संगठनात्मक और व्यक्तिगत साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देनी थी। इस दौरान डीजीएमएस के डीजी श्री ताह ने बताया कि बढ़ते साइबर क्राइम के खतरों को देखते सतर्कता जरूरी है। सभी कर्मचारी अपने कार्य वातावरण की सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रहें। यह कार्यशाला संगठन के सभी कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल व ट्रॉय दिशा–निर्देशों पर अपने ज्ञान को अद्यतन करने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में बीएसएनएल के एजीएम (ईबी) कमलेश कुमार ने ट्राई का परिचय व दिशा–निर्देशों से अवगत कराया। जबकि दूसरे सत्र में डीएमएमएस के सदाशिव ने सरकारी कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा दिशानिर्देश से संबंधित पावर प्रजेंटेशन दिया। मौके पर बड़ी संख्या में डीजीएमएस व बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित थे।

हादसे में मृत वेटनरी कॉलेज के छात्र का शव पहुंचा

धनबाद, एजेंसी। विवि से मिले एंबुलेंस से परिजन रात आठ बजे शव के साथ धनबाद गये। अन्य विद्यार्थियों ने शैक्षणिक यात्रा बीच में रोकी, लौट रहे वापस। दक्षिण भारत की शैक्षणिक यात्रा पर गये बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत वेटनरी कॉलेज के फाइनल इयर के विद्यार्थी शशांक कुमार शिवम का शव चेन्नई से हवाई जहाज से शाम सात बजे रांची पहुंचा। पिता प्रह्लाद महतो व परिवार के अन्य सदस्य उन्हें अपने घर बांसजोरा कनकनी बस्ती (नियर मनसा मंदिर) धनबाद ले गये। रांची एयरपोर्ट से धनबाद शव ले जाने के लिए विवि की तरफ से एंबुलेंस की व्यवस्था की गयी ।विवि की तरफ से वेटनरी डीन डॉ सुशील प्रसाद ने एयरपोर्ट पर शशांक को श्रद्धांजलि दी। इधर बाकी विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक यात्रा बीच में ही स्थगित कर वापस रांची लौट रहे हैं। मालूम हो कि वेटनरी कॉलेज के 90 विद्यार्थी व दो शिक्षक 18 फरवरी 2025 को रांची से दक्षिण भारत की शैक्षणिक यात्रा पर गये थे। कोयंबटूर के पास रात में सड़क पार करने के दौरान छात्र शशांक कुमार शिवम को एक वाहन ने धक्का मार दिया। यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने स्थानीय लोगों की मदद से नजदीक के एक सरकारी अस्पताल में ले गये। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

धनबाद होकर चलेगी कोलकाता-श्रीगंगानगर स्पेशल ट्रेन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद होकर कोलकाता–श्रीगंगानगर स्पेशल ट्रेन चलेगी। रेलवे ने इसकी घोषणा कर दी है। यह ट्रेन श्रीगंगानगर से पांच व कोलकाता से नौ मार्च को चलेगी। इसके लिए सीटों की बुकिंग शुरू हो गयी है। अब गिनती की ही सीटें खाली हैं। ट्रेन नंबर 04731 श्रीगंगानगर–कोलकाता स्पेशल पांच मार्च को श्रीगंगानगर से रात 11ः00 बजे रवाना होगी। सात मार्च की रात 8ः40 बजे धनबाद तथा आठ मार्च की सुबह 8ः50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 04732 कोलकाता–श्रीगंगानगर स्पेशल नौ मार्च को कोलकाता से सुबह 9ः05 बजे रवाना होगी। दोपहर 3ः05 बजे धनबाद तथा 11 मार्च को दिन 11ः45 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। ट्रेन प्रयागराज, आगरा व मथुरा होकर चलेगी। खाटू श्याम दरबार तक पहुंचने का भी विकल्प होगा। ट्रेन का बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, पारसनाथ, गया, डीडीयू, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, इटावा, टुंडला, आगरा फोर्ट, मथुरा, डींग, गोविंदगढ़, अलवर, राजगढ़, बांदीकुई, दौसा, खतिपुरा, जयपुर, चौमू सामीद, रिंगस, सीकर, रशीदपुर खोरी, लक्ष्मणगढ़ सीकर, फतेहपुर शेखावटी, चुरू, रतनगढ़, राजलदेसर, श्रीडुंगरगड़, नापसार, बीकानेर, लालगढ़, लुनकरनसर, सूरतगढ़, जैतसर आदि में ठहराव होगा।

बजट सत्रः सदन में झारखंड की पद्मावती की हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। महाशिवरात्रि के चलते 26 फरवरी को सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। आज की कार्यवाही की शुरुआत प्रश्न काल से हुई। राज्यपाल संतोष गंगवार के अभिभाषण पर वाद-विवाद होगा और फिर सरकार का उत्तर होगा। 28 फरवरी को तृतीय अनुपूरक पर वाद-विवाद, मतदान के बाद विनियोग विधेयक को टेबल किया जाएगा। इसके बाद 2 मार्च तक के लिए सत्र की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी, क्योंकि शनिवार और रविवार पड़ रहा है। 3 मार्च को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर सदन में बजट पेश करेंगे।

बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में झारखंड की पद्मावती की चर्चा हुई। विधायक अमित महतो ने झारखंड की पद्मावती टुसू मनी देवी की चर्चा की और अपनी मांग रखी। सदन में विधायक जयराम महतो के द्वारा ऊर्जा विभाग के कार्यशैली पर उठाए गए सवाल पर गरमा गरम बहस हुई।

विधायक राज सिन्हा ने धनबाद के ऊर्जा मित्र के बकाया राशि और बिजली बिल नहीं मिलने की शिकायत सदन से की। मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने का मामला विधायक सीपी सिंह ने उठाया। मंत्री चमरा लिंडा ने सदन को आश्वस्त किया कि 15 मार्च तक जनवरी-फरवरी का भुगतान हो जाएगा। सीपी सिंह ने सदन से 18-50 साल की सभी महिलाओं चाहे वो विकलांग हो या विधवा हो उसे एक समान सम्मान राशि मिलने की बात कही। विधायक प्रदीप यादव ने धान खरीद में हो रही किसानों की परेशानी और सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया। मंत्री इरफान अंसारी ने सदन को आश्वस्त किया कि जो सवाल खड़ा किया गया है, उसकी जानकारी लेकर चालू सत्र में जवाब दिया जायेगा।

धान खरीद की धीमी रफ्तार और बिचौलिए के कारण किसानों को हो रही परेशानी मामले को हेमलाल मुर्मू ने सदन में उठाया। विभागीय मंत्री इरफान अंसारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि 15 अप्रैल तक किसानों का बकाया भुगतान हो जायेगा। विधायक मथुरा महतो ने भी सदन में धान खरीद में सुखती काटे जाने पर सवाल खड़ा किया।

विधायक अमित यादव ने इचाक की घटना और मंत्री इरफान अंसारी के विवादास्पद बयान का मामला उठाया। अमित यादव ने सूचना के माध्यम से इरफान अंसारी से माफी मांगने की मांग की। भाजपा विधायक स्कूल में रसोईया के मानदेय तीन हजार के बजाय दो हजार दिए जाने पर सवाल उठाया। मंत्री सुदिव्य कुमार ने सदन को भरोसा दिलाया कि जल्द ही तीन हजार मानदेय दिया जायेगा।

झारखंड विधानसभा बजट सत्र का तीसरा दिन प्रश्नकाल से शुरू हुआ। रांची विधायक सीपी सिंह ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की बकाया राशि का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि मंईयां योजना की राशि दिसंबर तक ही मिली है। जनवरी का पैसा अभी तक लाभुकों को नहीं मिला है। फरवरी भी खत्म होने को है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अभिभाषण में गलत कहा गया कि मंईयां योजना की राशि लाभुओं को दी जा रही है। लेकिन हकीकत इससे परे है। उन्होंने कहा कि दिया जा रहा है के बदले दिया जायेगा लिखना चाहिए था।

सीपी सिंह ने सदन में विधवा महिलाओं को मंईयां योजना का लाभ देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 18 से 50 साल की आयु की विधवा महिलाओं को केवल एक हजार रुपये मिलते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी महिलाओं का क्या दोष है कि उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा।

इमका अवॉर्ड्स का ऐलान, पब्लिक सर्विस अवॉर्ड से सम्मानित किए गए पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल

जमशेदपुर, एजेंसी। आईआईएमसी एलुमनी एसोसिएशन के वार्षिक कनेक्शन्स मीट में नौवें इमका अवॉर्ड्स के विजेताओं के नाम का ऐलान नयी दिल्ली में आयोजित समारोह में किया गया। इसमें झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी किशोर कौशल को पब्लिक सर्विस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा गूंज के संस्थापक अंशु गुप्ता और लेखक-पत्रकार नीलेश मिश्रा को एलुमनी ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सर्वप्रिया सांगवान को जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया। समारोह में आईआईएमसी से 25 साल पहले पास हुए लगभग 80 पूर्व छात्र-छात्राओं को सिल्वर जुबली सम्मान भी दिया गया।

पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि इमका अवॉर्ड्स का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है।

इसके तहत मूल रूप से पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर काम करने वालों को सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही कुछ श्रेणी वैसे भी बनाये गये हैं, जो सीधे तौर पर पत्रकारिता से नहीं जुड़ कर समाज और जनता के लिए बेहतर काम करते हैं। जिसमें सोशल सर्विसेज और पब्लिक सर्विसेज समेत और भी कुछ श्रेणी को शामिल किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि इस वर्ष आईआईएमसी एलुमनी एसोसिएशन के वार्षिक कनेक्शन्स मीट में पब्लिक सर्विस अवॉर्ड के लिए उन्हें चयनित किया गया। इस मौके पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के कई पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

जमशेदपुर में फिर बदलेगा मौसम, हफ्तेभर में चिलचिलाती धूप बढ़ाएगी परेशानी, पारा बढ़कर होगा 36 डिग्री सेल्सियस

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर के मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जमशेदपुर के लोगों को अगले एक सप्ताह के भीतर अचानक अत्यधिक गर्मी से जूझना होगा। एक सप्ताह में दिन और रात का तापमान पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ सकता है। रात का तापमान पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ कर 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

एक मार्च को दिन का तापमान बढ़ कर 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा, जो करीब एक सप्ताह तक बरकरार रहेगा। रात के तापमान में भी इजाफा होगा। रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा।ठंड धीरे-धीरे अब विदा होगी। तापमान में बढ़ोत्तरी से गर्मी का अहसास होने लगेगा। 27 फरवरी से ही धूप काफी तेज रहेगी।मंगलवार को जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 32।0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1।5 डिग्री सेल्सियस कम था। अधिकतम तापमान 16।0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0।2 डिग्री सेल्सियस कम था। हवा में आद्रर्ता की अधिकतम मात्रा 61 प्रतिशत जबकि न्यूनतम मात्रा 33 प्रतिशत थी।

प्रदेश पुलिस एसोसिएशन का महाधिवेशन शुरू चुने जाएंगे नए पदाधिकारी

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस एसोसिएशन का दो दिवसीय महाधिवेशन गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। महाधिवेशन के दूसरे दिन एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का चुनाव होगा।

एसोसिएशन के सात पदों के लिए इस बार 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें एक अध्यक्ष पद पर तीन प्रत्याशी, दो उपाध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी, एक महामंत्री पद पर तीन प्रत्याशी, दो संयुक्त सचिव पद पर चार प्रत्याशी व एक संगठन सचिव के पद पर दो प्रत्याशी शामिल हैं। इसमें राज्यभर के सभी जिलों व पुलिस इकाइयों के एसोसिएशन से जुड़े 1056 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

झारखंड पुलिस के एएसआइ से पुलिस निरीक्षक स्तर के पदाधिकारियों के इस केंद्रीय एसोसिएशन का चुनाव अपने नियत कार्यकाल से दो साल विलंब से हो रहा है। चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका है। अब चुनाव की बारी है। 28 फरवरी को ही मतों की गिनती होगी, जिसका देर रात तक परिणाम आ जाएगा। चयनित नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एक मार्च को निर्धारित है।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों के चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय से भी कई बार रिमाइंडर भेजा जा चुका है। यह एसोसिएशन झारखंड पुलिस के कनीय पुलिस पदाधिकारियों का एसोसिएशन है, जो अपने सदस्यों की समस्याओं के समाधान को लेकर पुलिस मुख्यालय, सरकार के बीच सेतु का काम करता है।अध्यक्ष पद पर राहुल कुमार मुर्मू, रवींद्र कुमार व कमलेश सिंह, उपाध्यक्ष पद पर निरंजन तिवारी, रोहित कुमार रजक, रामाकांत उपाध्याय, महताब आलम व अशोक तिवारी, महामंत्री पद पर संजीव कुमार, अरविंद कुमार यादव, नीलमणी राम, संयुक्त सचिव पद पर संतोष कुमार महतो, राकेश कुमार पांडेय, श्रीकांत शर्मा व मनोज पासवान तथा संगठन सचिव के पद पर मंटू कुमार व निर्मल कुमार यादव। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय के समीप बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में राहुल कुमार मुर्मू गुट ने बताया कि एसोसिएशन के सभी सदस्य बदलाव चाहते हैं।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी योगेंद्र सिंह ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। कनीय पुलिस पदाधिकारी विभिन्न समस्याओं पर पूर्व के पदाधिकारियों से उदासीनता व पूर्वाग्रह का शिकार हुए हैं।उनकी टीम विजयी होकर आने पर सभी पुलिस पदाधिकारियों का सम्मान करेगी। विभिन्न समस्या, स्थानांतरण में एकरूपता, ससमय प्रोन्नति, आर्थिक लाभ, आधारभूत संरचना, वर्षों से लंबित एसीपी, एमएसीपी का लाभ दिलाएगी। सभी सदस्यों के इलाज के लिए जल्द से जल्द बेहतर सुविधा प्रदान कराया जाना इस टीम की प्राथमिकता होगी।

रामगढ़ के चुट्टूपालू घाटी में अनियंत्रित ट्रेलर ने पांच वाहनों को मारी टक्कर, एक की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

रामगढ़, एजेंसी। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुट्टूपालू घाटी में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इसमें एक ट्रक चालक की मौत हो गई है तथा अलग-अलग वाहनों में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब एक अनियंत्रित ट्रेलर ने आगे चल रहे पांच वाहनों को टक्कर मार दी। सभी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस व बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे से हटाया गया।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि घाटी क्षेत्र में एक अनियंत्रित ट्रेलर ने दो ट्रक, चार पहिया व दो पहिया वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे सभी वाहन चकनाचूर हो गए और वाहनों में सवार लोग घायल हो गए। वहीं ट्रक का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद केबिन में बुरी तरह फंसे चालक को बाहर निकाला गया। उससे पहले अन्य वाहनों में सवार घायलों को रामगढ़ पुलिस ने इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद फोरलेन पर अफरातफरी मच गई। घटना के कारण एकतरफा सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। किसी तरह दूसरे लेन से वाहनों की आवाजाही शुरू की गई और क्रेन व हाइड्रा के जरिए सभी वाहनों को हटाने का प्रयास शुरू किया गया। इस पूरे हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें रांची रेफर किया गया है।थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घाटी इलाके में दुर्घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर जॉनी कुमार को तत्काल हाईवे पेट्रोलिंग वाहन से पुलिस बल के साथ वहां भेजा गया। घटनास्थल पर कई लोग घायल हैं और ट्रेलर चालक केबिन में बुरी तरह फंसा हुआ था। सबसे पहले घायल फोरव्हीलर, ट्रक और बाइक सवार को अस्पताल भेजा गया। वहीं डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक में फंसे ट्रक चालक को गंभीर हालत में बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गढ़वा के चिनिया इलाके में एक बार फिर जंगली हाथी ने दी दस्तक, ग्रामीणों में दहशत

गढ़वा, एजेंसी।जिले के चिनिया थाना क्षेत्र के चिनिया-बेता मुख्य मार्ग पर एक जंगली हाथी को विचरण करते हुए देखा गया है। जिसकी पुष्टि चिनिया के प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने की है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जंगली हाथी को जंगल की तरफ भगाया। इस वर्ष अब तक हाथियों ने जिले में दो लोगों की जान ले ली है। इस कारण फिर से इलाके में हाथी की मौजूदगी से लोग दहशत में हैं। रात में लोग रतजगा करने को विवश हैं, वहीं दिन में भी खास सतर्कता बरत रहे हैं।

वन विभाग ने किया अलर्ट जारी : वहीं हाथी की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद वन विभाग सजग दिख रहा है। विभाग ने चिनिया, चिरका और बेता गांव में रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों से सड़क की तरफ और जंगल की तरफ बेवजह नहीं जाने की अपील की है।

हाथी एक की ले चुका है जान

वहीं जंगली हाथी अब दिन में भी गांव के नजदीक भ्रमण कर रहा है। इस कारण लोगों में दहशत व्याप्त है। बताया जाता है कि इस जंगली हाथी ने एक सप्ताह पूर्व चिरका गांव के रहने वाले एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला था।

लोगों को सता रहा है अनहोनी का डर : दिन के उजाले में हाथी के विचरण करने का वीडियो सोशल मीडिया ग्रुप में तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि हाथी के विचरण का वीडियो वायरल होने के बाद लोग सतर्क तो जरूर हैं, लेकिन साथ-साथ डर भी बना हुआ है। लोगों ने वन विभाग से जान-माल की रक्षा करने की गुहार लगाई है।

राज्यपाल ने नमो ई-लाइब्रेरी और साइबर पीस कम्युनिटी सेंटर का किया उदघाटन

रांची, एजेंसी। बढ़ते साइबर अपराध और इससे लोगों को सचेत करने के उद्देश्य से रांची में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने संसदीय कार्यालय परिसर में नमो ई-लाइब्रेरी और साइबर पीस कम्युनिटी सेंटर की शुरुआत की है। साइबर क्राइम एक्सपर्ट मेजर विनीत के सहयोग से संचालित इस साइबर पीस कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन बुधवार 26 फरवरी को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया।

इस मौके पर सांसद कार्यालय से संचालित होने वाले नमो ई-लाइब्रेरी की भी शुरुआत राज्यपाल ने बटन दबाकर की। सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रयास से शुरू हुए इस नमो ई-लाइब्रेरी और साइबर पीस कम्युनिटी सेंटर की राज्यपाल ने सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को लाभ मिलेगा।

हालांकि सीमित जगह होने के कारण इसके संचालन में आने वाली परेशानी से भी राज्यपाल ने सचेत किया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने कहा कि नमो ई-लाइब्रेरी के जरिए यहां आने वाले विद्यार्थियों और शोधार्थियों को न केवल कम्प्यूटर के जरिए ऑनलाइन पढ़ने का मौका मिलेगा, बल्कि जरूरत के हिसाब से प्रिंट भी ले सकते हैं। उन्होंने साइबर अपराध के प्रति लोगों को सचेत करने के लिए मेजर विनीत के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से समय-समय पर साइबर विशेषज्ञों की मुफ्त राय, कार्यशाला आदि आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री मोदी के पेरिस में एआई पर दिए गए संबोधन से मिली है। उन्होंने कहा कि अब तो एआई का समय है और जब हम 2047 में विकसित भारत की सोच रख रहे हैं तो यह एक मील का पत्थर साबित होगा।

शुरुआत छोटे स्तर से होती हैः विनीत

साइबर शिक्षा को लेकर शुरू की गई इस पहल को अनोखा बताते हुए मेजर विनीत कहते हैं कि कोई भी शुरुआत छोटे स्तर से होती है जो आगे चलकर रोल मॉडल बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह सेंटर देश का पहला सेंटर है जो किसी सांसद के द्वारा खोला गया है। झारखंड में साइबर अपराध खासकर जामताड़ा देश दुनिया में जाना जाता है।

ऐसे में समय के साथ बढ़ रहे अपराध और इससे सचेत रहने की जरूरत है। इसके माध्यम से लोगों को साइबर शिक्षा की जानकारी दी जायेगी।

5 नाबालिगों से सामूहिक दुष्कर्म का मामला, पुलिस विभाग ने ले लिया एक और बड़ा फैसला

रांची, एजेंसी। खूंटी के रनिया थाना क्षेत्र में पांच नाबालिगों से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस स्पीडी ट्रायल कराएगी। इस मामले में गिरफ्तार सभी 18 आरोपितों के उम्र का सत्यापन जारी है। इस मामले में बच्चों को यौन शोषण के अपराधों से बचाने का प्रविधान संबंधित कानून पाक्सो के तहत प्राथमिकी दर्ज है। आरोपितों पर इससे संबंधित धाराओं के तहत ही मुकदमा चलना है। इस मामले में जो आरोपित पकड़े गए हैं, उन्हें भी नाबालिग बताया गया है। अब पुलिस उपलब्ध दस्तावेजों आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र आदि के आधार पर उनके उम्र का सत्यापन कर रही है।

अगर वे 16 साल से कम के निकले तो उनके विरुद्ध ट्रायल जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड में चलेगा। उम्र 16 वर्ष से ऊपर का हुआ तो व्यस्कों के जैसी सजा होगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता स्वयं पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने इस पूरे प्रकरण पर एसपी खूंटी से जानकारी ली है और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है। महिलाओं-बच्चियों से अपराध के मामले में यह प्रविधान है कि 60 दिनों के भीतर अनुसंधान पूरा कर पुलिस कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल करेगी।

इस अवधि में पर्याप्त साक्ष्य व जांच के सभी बिंदुओं को समाहित करते हुए कोर्ट में रिपोर्ट देनी है। इसके बाद जल्द ट्रायल कराकर आरोपितों को सजा दिलाने की जिम्मेदारी भी पुलिस की है।

इसके लिए सभी जिलों में विशेष कोर्ट भी बना है। खूंटी के रनिया थाना क्षेत्र के इस मामले में भी पुलिस घटना की तिथि से 60 दिनों में अपना अनुसंधान पूरा कर कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर देगी। खलारी थानाक्षेत्र निवासी एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। घटना मंगलवार 11 बजे दिन की है।

सूचना मिलते ही खलारी थाना पुलिस ने आरोपी महावीरनगर निवासी अर्जुन लोहरा (20 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना को लेकर किशोरी द्वारा खलारी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। किशोरी द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार मंगलवार को वह एक ज्वेलरी दुकान गई थी।

दुकान बंद मिलने पर वापस अपने घर लौट रही थी। इसी क्रम में अपने घर के बाहर खड़ा अर्जुन लोहरा ने वहां से गुजर रही किशोरी को जबरन अपने घर के अंदर ले गया और जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

इसके बाद अपने घर में ही किशोरी को बेहोश छोड़कर भाग गया। किशोरी की मां अर्जुन लोहरा के घर से बेहोशी हालत में अपनी बेटी को अस्पताल ले गई, जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया।

सुभाषितम्

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे

- अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

कुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व मैं जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोडों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मो के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है। 84 लाख योनियों के साथ जियो और जीने दो का भाव रखती है। सभी एक दूसरे के लिये उपयोगी हैं। मानव समाज सामाजिक विकास के साथ-साथ प्रकृति एवं संस्कृति का विकास भारतीय सनातन व्यवस्था करती है। हम सब भारतीयों के आचरण में यदि यह संस्कृति रहेगी तो हम दुनिया के सबसे संपन्न और सबसे ज्ञानवान देश होंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। महाकुंभ से सारी दुनिया के देशों को यही संदेश जाता है।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, यह कहां से आई पिता ने कहा, मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए पिता का एक मित्र बोला, क़्या इसे बेचोगे मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।

पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज रमन प्रभाव को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से रमन प्रभाव (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। रमन प्रभाव खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा। वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में रमन प्रभाव को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक और 2023 में वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण और वर्ष 2021 की थीम थी एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था हमारी बदलती धरती। वर्ष 2000 का विषय था मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक, 2002 का पश्चिम से धन, 2003 का जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ, 2004 का समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना, 2005 का भौतिकी को मानना, 2006 का हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें, 2007 का प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल, 2008 का पृथ्वी ग्रह को समझना, 2009 का विज्ञान की सीमा को बढ़ाना, 2010 का दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का दैनिक जीवन में रसायन, 2012 का स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा, 2013 का अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा, 2014 का वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना, 2015 का राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान, 2016 का देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य, 2017 का विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए, 2018 का एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं (वूमेन इन साइंस) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

विश्व भर में जमने लगी है भारतीय फूलों की धाक

मुकेश तिवारी

देश में हर साल 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं ,जिनमें से तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा निर्यात कर दिया जाता है, देश में भी फूलों की खपत में अच्छा खासा इजाफा हुआ है ,खास बात यह है कि तकरीबन 50 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय फूल बाजार में भारत के फूलों के निर्यात के लिए आज भी सीमित संभावनाएं बनी हुई है ,वैसे भी भारत नीदरलैंड के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फूल उत्पादक देश होने के साथ साथ निर्यात भी है। एक दशक पहले एक दौर ऐसा भी था जब फूलों की खेती को बढ़ावा देने के बात इसलिए भी नहीं की जाती थी क्योंकि कोई भी इसे संभावित क्षेत्र मानने के लिए तैयार नहीं था ,ऐसे अनिश्चित क्षेत्र के लिए सरकार से मदद की उम्मीद भी स्वाभाविक तौर पर नहीं की जा सकती थी ,तब इस क्षेत्र की किसी योजना के लिए बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाए भी मदद देने से पहले अनगिनत प्रश्न करती थी ,तब फूलों की खेती सिर्फ छोटे किसानों का धंधा माना जाता था ,लेकिन अब पूरा परिदृश्य बदल चुका है, पिछले महीने के आखिर में फूलों की खेती 717.83 करोड़ के सालाना कारोबार वाला निर्यात आधारित उद्योग बन चुकी है , भारत में हर साल 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं, जिनमें से तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा निर्यात कर दिया जाता है ,देश में भी फूलों की खपत में अच्छा खासा इजाफा हुआ है , लेकिन खास बात यह है कि 50 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय फूल बाजार में भारत के फूलों के निर्यात के लिए असीमित संभावनाएं भी बनी हुई है बीते एक दशक में विश्व में फूलों की खपत में सालाना 40 फीसदी की लगातार बढ़ोतरी हो रही है और आने वाले कुछ सालों तक तो यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है, मांग में वृद्धि की इस रफ्तार को देखते हुए फूल उगाकर निर्यात करने वाले परंपरागत देश मसलन हॉलैंड, कोलंबिया , इस्राइल ,दक्षिण अफ्रीका,नीदरलैंड ,जिंबॉब्वे आदि अपनी पूरी क्षमता के अनुसार फूलों का उत्पादन करके मांग वाले देशों में निर्यात करने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, इससे भारतीय फूलों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग बढ़ी है ,सरकार की मदद से निजी क्षेत्र ने भी पूरी सक्रियता दिखाई और धीरे धीरे भारतीय फूलों की धाक विश्व भर में जमने लगी। इस क्षेत्र में संभावित विकास दर को भली-भांति समझ लेने की वजह से ही आज फूलों की खेती से निजी क्षेत्र के जो बड़े नाम जुड़े हैं उनमें टाटा, बिरला, आरपीजी,एम आर एफ, और गोयनका तक के नाम शामिल हैं, गौरतलब बात है कि इस क्षेत्र में लगी अधिकांश निजी कंपनी सिर्फ निर्यात के मकसद से ही फूल उगा रही हैं, बेंगलुरु में फूल की खेती के लिए इतने विशाल आकार के फॉर्म विकसित किए गए हैं कि कभी इस बगीचे के शहर को फूलों का शहर का जाने लगे तो अचं मेंभा नहीं होना चाहिए, बेंगलुरु के अलावा पुणे, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, और हरियाणा भी फूलों की खेती का केंद्र बनकर उभरा है ,हैदराबाद त्रिवेंद्रम और उत्तर पूर्व के भी कुछ ऐसे स्थानों की पहचान की गई है यहां का तापमान और मौसम आदि फूलों की खेती के लिए उपयुक्त हो सकता है ,वैसे फूलों की खेती के लिए बेंगलुरु का मौसम और तापमान सबसे ज्यादा मुफीद है ,यहां 10 से 12हजार हेक्टेयर में फूलों की खेती की जा रही है, देश भर में 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं और तकरीबन 45000 टन फूल अकेले बेंगलुरु में उगाए जाते हैं बेंगलुरु में ही इस क्षेत्र की ज्यादा निर्यात आधारित इकाई केंद्रित हैं इसे और बढ़ाया देने के लिए अनेकों महत्वाकांक्षी योजना है ,मसलन हॉलैंड की तर्ज पर केंद्रीय नीलामी केंद्र विकसित करना जहां फूल उत्पादक कारोबारी और निर्यातक ज्यादा सुगमता से कारोबार कर सके, अभी हिंदुस्तानी फूल मोटे तौर पर हॉलैंड में ही पहुंचाते हैं और उसके बाद दुनिया के अन्य देशों में भेजे जाते हैं ,इस क्षेत्र की अन्य अहम चीजे भी हॉलैंड में ही तय होती है , काबिले गौर है कि हॉलैंड सबसे ज्यादा फूलों का उत्पादक देश है, इस क्षेत्र में कामयाबी के तमाम सारे गुर हिन्दुस्तानी कंपनियों ने हॉलैंड की पेशेवर कंपनियों से ही सीखे है ,भारत में फूलों के निर्यात को बढ़ाने के लिए यहां शीत भंडार सुविधाओं को बढ़ाने का भी प्रस्ताव है ,जिसके अभाव में कई बार फूल बेकार हो जाते हैं या गुणवत्ता पर फर्क पड़ जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी कोई कीमत नहीं रह जाती, बेंगलुरु के अलावा अन्य स्थानों पर फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए इसे निर्यात उधोग में तब्दील करने के काम में भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान और त्रिवेंद्रम के वनस्पति गार्डन व अनुसंधान द्वारा प्रयास किए जा रहे है,फार्मों से हॉलैंड पहुंचने और इसके बाद मांग वाले अन्य देशों को निर्यात में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए फूलो की टिकाऊ प्रजातियों की काफी अहमियत है और इस दिशा में काफी अनुसंधान आदि काम किये जा रहे है जिससे भारत से निर्यात किए जाने वाले फूल अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उपयोग में आने तक ताजा रह सके मध्य पूर्व के देशों के अतिरिक्त जापान और अमेरीका में भारतीय फूलों की मांग काफी बढ़ी है। शुरूआत में शक के नजरिए के बाद सरकार ने भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को पहचाना, अब बेंगलुरु के बाद पूणे और हैदराबाद में भी फूलों की खेती के लिए और अधिक फॉर्म विकसित करने का प्रयास किया जा रहा हैं, बदले हुए परिदृश्य और संभावनाएं प्रमाणित हो जाने के बाद अब बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने भी इस क्षेत्र के प्रति अपना नजरिया बदला है जिसके फल स्वरुप अब बैंक छोटे किसानों को भी फूलों की खेती के लिए कर्ज देने से नहीं कतराते ,कम निवेश की जरूरत और अपेक्षाकृत जल्दी पैसा मिल जाने की वजह से ज्यादा से ज्यादा किसान और कंपनियां इस व कारोबार की ओर आकर्षित हो रही है, किसानों में इस क्षेत्र के प्रति उत्साह और उत्सुकता भी है, व्यवसायिक अंदाज में खेती करने वाले कुछ किसानों ने तो फूल उगाने के लिए हॉलैंड की कंपनियों से भी तकनीकी मार्गदर्शन और सहयोग हासिल किया है ,इसमें से कुछ साधन संपन्न किसान सीधे हॉलैंड की कंपनियों के लिए फूलों का काफी बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। क्योंकि उक्त कंपनियां फॉर्म से आगे अंतरराष्ट्रीय बाजार और उपभोक्ता तक फूल पहुंचाने की जिम्मेदारी स्वयं संभालती है, निजी कंपनियों के इस क्षेत्र की ओर बढ़ते रुझान की वजह से सीधी सादी यह है कि है कि कम निवेश के बाद इसमें प्रत्यक्ष लाभ जल्दी मिलने लगता है एक कंपनी ने 60 करोड रुपए का निवेश कर- के इस क्षेत्र में प्रवेश किया और 8 माह के भीतर ही पहली खेप के रूप में 5 करोड रुपए का निर्यात ऑर्डर हासिल कर लिया ,आमतौर पर कंपनियां कंपनियां दो से तीन साल में निवेश की गई सारी पूंजी निकाल लेती है ,भारतीय फूल निर्यातकों के लिए अच्छी बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फूलों की मांग 12 महीने बनी रहती है, क्रिसमस और नए साल जैसे मौका पर तो विश्व बाजार में फूलों की मांग काफी बढ़ जाने से फूलों की किल्लत हो जाती है, और मुंह मांगे दाम मिलते हैं।

जीवन में शांति और आनंद संभव है

प्रेम रावत

अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व शांति दूत प्रेम रावत जी ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित कन्वेंशन सेंटर में एक विशाल जनसमूह को संबोधित किया। उनको सुनने के लिए छत्तीसगढ़ के अलावा झारखण्ड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा आदि राज्यों से बड़ी संख्या में श्रोता आये थे। प्रेम रावत जी ने अपने सम्बोधन की शुरूआत में कहा कि रायपुर का यह कार्यक्रम सुनने और समझने का एक बहुत सुंदर अवसर है। उन्होंने समझाया कि संसार का हर व्यक्ति - चाहे वह कोई भी हो, कहीं भी रहता हो, वह तीन कानूनों से बंधा हुआ है - एक दिन हम इस संसार में आये थे, अभी हम जीवित हैं और एक दिन हमें इस संसार से जाना होगा। उन्होंने आगे समझाया कि एक गंगा प्रयागराज में स्थित है, जहाँ पहुँचने के लिए सबको वहाँ तक जाना पड़ता है। लेकिन एक गंगा ऐसी भी है, जो हमारे अंदर की गंगा है। इस अंदर की गंगा में डुबकी लगाने के लिए, हमें कहीं जाने की जरूरत नहीं है, सिर्फ अपने अंदर जाने की जरूरत है। प्रेम रावत जी ने समझाया कि हमारे सामने दो रास्ते होते हैं - पहला श्रेय - जो सही है उसे चुनना। और दूसरा प्रेय - जो अच्छा लगे उसे चुनना। उन्होंने समझाया कि मनुष्य सही क्या है उसे नहीं चुनता। वह उस रास्ते को चुनता है जो उसे पसंद आता है, फिर चाहे वह सही न भी हो और इस लिए संसार की यह हालत हो गयी है। उन्होंने मनुष्य जीवन में स्वाँस के महत्व को समझाते हुए कहा कि "यह जो स्वाँस आ रहा है, जा रहा है, यह भगवान की कृपा है। और जब तक यह आ रहा है, जा रहा है तुम जीवित हो। तुम इस बात का निर्णय ले सकते हो कि तुम्हारी जिंदगी में क्या होना चाहिए। जब तक तुम जीवित हो अपने जीवन में यह निर्णय ले सकते हो कि मैं उस आनंद का अनुभव करना चाहता हूँ, जो मेरे अंदर है। अगर तुमने यह निर्णय ले लिया कि तुम उस आनंद का अनुभव करना चाहते हो, तब मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ। उन्होंने अपने सम्बोधन के अंत में कहा कि "इस जीवन में जो भी होता है, वह तुम्हारी मर्जी से होता है। इसलिए जो कुछ भी करो, सोच समझ कर करो। तुम अपना जीवन आनंद से भर सकते हो। सबके अंदर वह शांति और आनंद है जिसका सब अनुभव कर सकते हैं।

आज का राशिफल

- **मेष** – दिन बहुत अच्छा है। आप जमीन-जायदाद के मामले में कोई डील करेंगे तो उसमें आपको लाभ होगा।
- **तुला** – आज दिन फायदेमंद रहेगा। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में किए गए बदलाव फायदेमंद रहेंगे।
- **वृषभ** – आज दिन कामयाबी भरा रहेगा। बिजनस के मामले में आपके सारे प्लान सफल होंगे।
- **वृश्चिक** – आमदनी से अधिक खर्च होगा। बच्चों के अच्छे काम से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।
- **मिथुन** – आज हर काम सोच-समझकर करना चाहिए। किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें।
- **धनु** – करियर में फायदा होगा। विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। मेहनत से आपकी इच्छाएं पूरी होगी।
- **कर्क** – दिक्कतों और विरोध का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने स्वभाव पर ध्यान दें।
- **मकर** – आज धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ योग हैं। भाग्य साथ देगा।
- **सिंह** – आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा।
- **कुंभ** – आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कमाई बढ़ाने के आपके प्रयास सफल रहेंगे।
- **कन्या** – आज दिन किस्मत के लिहाज से बहुत अच्छा है। आपकी परेशानियां दूर होंगी।
- **मीन** – आज दिन फायदे का है। आपकी संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा।

विशेष

भारत बना नशीली दवाइयों का सौदागर

बीबीसी ने हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। जिसमें भारत की दवा कंपनियों द्वारा नशीली दावाओं का निर्यात साउथ अफ्रीका और यूरोप के देशों में करने की बात कही है। इस रिपोर्ट के उजागर होने के बाद भारत में हड़कंप मचा। महाराष्ट्र सरकार ने दवा कंपनियों पर छापेमारी की। अफीम से बनने वाली दवाइयां का बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन द्वारा आपत्ति जताई गई। उसके बाद भारत सरकार हरकत में आई है। इस रिपोर्ट के बाद भारत का दवा निर्यात साउथ अफ्रीका और यूरोप के देशों में प्रभावित होना तय है। जेनेरिक के नाम पर नशीली दवाइयों का निर्यात हो रहा है। उसके कारण भारत का दवा निर्यात के कारोबार में संकट खड़ा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दवा कंपनियों के खिलाफ नारकोटिक्स की बड़ी कार्रवाई हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। कहा जा रहा है कि बीबीसी ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित कर केंद्र सरकार द्वारा उसके ऊपर जो 3 करोड रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। इसका बदला उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले लिया है।

विटामिन डी की कमी महामारी का संकेत

भारत में विटामिन डी की कमी नागरिकों में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। डॉक्टरी भाषा में इसे मोन महामारी भी कहा जाता है। आत्महत्या के 60 फीसदी मामलों में विटामिन डी की कमी पाई गई है। भारत में सबसे ज्यादा सूरज की रोशनी है। इसके बाद भी भारत के लोगों में विटामिन डी की कमी, स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ी चिंता है। विटामिन डी की कमी के कारण आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

कार्टून कोना

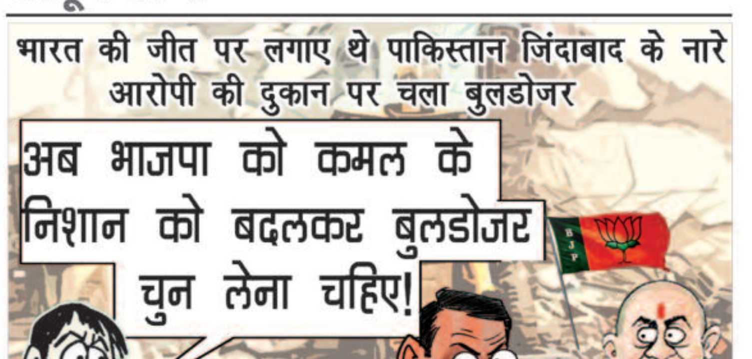

आज का इतिहास

1568 अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया. 1594 ब्रिटेन के शाही चिकित्सक रोजर लोपर को एलिजाबेथ के खिलाफ साजिश में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया. 1772 बहादुरशाह प्रथम की मौत लाहौर में हुई. 1868 बेंजमिन डिजराइली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने. 1876 स्पेन का कार्लिस्ट युद्ध समाप्त हुआ. 1877 तुर्की और सर्बिया के बीच शांति संधि हुई. 1911 आस्ट्रेलिया ने एकाधिकार कंपनियों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की. 1928 सी.वी.रामन ने रमन प्रभाव की खोज की. 1941 हावड़ा ब्रिज यातायात के लिए खोला गया. 1948 ब्रिटिश सैनिकों की आखिरी डुकड़ी भारत से वापस गई. 1963 भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का निधन. 1986 स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलेफ पाल्मे की हत्या कर दी गई. 1987 फिलीपींस की राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो ने कम्युनिस्ट विद्रोहियों के लिए माफी की घोषणा की. 1990 सोवियत संसद के कोगों को जमीन खरीदने का अधिकार देने वाला विधेयक मंजूर किया.

दैनिक पंचांग

28 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.10 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मेष	08.41 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.21 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.32 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.48 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.00 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.11 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.26 ब.से
राहुकाल		धनु	01.42 बजे से
10.30 से		मकर	03.47 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	05.33 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 59 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 03.17 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 13.40 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 20.08 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 16.47 बजे तदनन्तर बव 03.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872269
जूलियन दिन 2460734.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान
तारीख 29
विशेष इष्टि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्ट्रेस दूर करने के खाएं ये सुपर फूड्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण लोग बहुत सी चिंताओं से घिरे हुए हैं। वहीं ओवर थिंकिंग यानि जरूरत से ज्यादा सोचना तो एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इसके कारण व्यक्ति तनाव में जल्दी ही आ रहे हैं। इससे बचने के लिए एक्सपर्ट्स द्वारा योग, मेडिटेशन व सकारात्मक सोचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा डेली डाइट में कुछ बदलाव करके भी आप इस परेशानी से बच सकती है। चलिए आपको इस आर्टिकल में स्ट्रेस दूर करने के कुछ खास सुपर फूड्स के बारे में बताते हैं.

दही

दही पाचन तंत्र मजबूत करने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद गुड़ बैक्टीरिया कोर्टिसोल के स्तर को कम करने और संतुलित करने में मददगार होते हैं। ऐसे में तनाव कम होकर मन शांत होता है।

ओटमील

पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर ओटमील दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। इसके सेवन से दिमाग में सेरोटोनिन रिलीज होने में मदद मिलती है। सेरोटोनिन एक फील-गुड कैमिकल है जो मूड बेहतर करने में मदद करता है। ऐसे में चिंता व तनाव कम होने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र मजबूत करके बेहतर शारीरिक विकास करने में मदद करता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थीनिन नामक एक एमिनो एसिड होता है। यह वजन घटाने के साथ स्ट्रेस कम करने में मदद करती है। इसके सेवन से दिमाग की कोशिकाएं बेहतर तरीके से काम करती है। ऐसे में इसे ब्रेन बूस्टर फूड कहा जाता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट स्वाद के साथ सेहत बरकरार रखने में भी मदद करती है। इसके सेवन से मूड बेहतर ओ स्ट्रेस कम होने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद पॉलीफेनोल कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा डार्क चॉकलेट में शुगर की मात्रा बहुत कम होने डायबिटीज व वजन कंट्रोल रहता है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण चेहरे पर ग्लो लाने में भी मदद करते हैं।

काजू

काजू विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन, पोटैशियम व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके अलावा यह जिंक का एक अच्छा स्त्रोत है जो चिंता और डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मददगार साबित होता है। इसके इसके सेवन से बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

दिमाग को जवान रखने में बेहद फायदेमंद है मेडिटेरेनियन डाइट

आज के समय में हम अक्सर अपने खाने पीने की चीजों को लेकर थोड़ा सोचने लगे हैं। नॉन वेज लवर अक्सर यह दलील देते दिखाई देते हैं कि उनके भोजन में अधिक पोषक तत्व हैं जिसकी वजह से वह लंबे समय तक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। लेकिन हाल ही में अमेरिकन हेल्थ एसोसिएशन ने एक रिसर्च जारी की है जो हार्वर्ड टी एच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के विशेषज्ञों द्वारा की गई है। यह रिसर्च बताती है कि दिन में 2 फलों की सर्विंग और 3 सब्जियों की सर्विंग आपको लंबे समय तक सेहतमंद रखती है। यानी नॉन वेज नहीं बल्कि वेज फूड ज्यादा फायदेमंद होता है। पर क्या सभी सब्जियां और फल फायदेमंद होते हैं।

इस अध्ययन केलेखक कहते हैं कि बताई गई 5 सर्विंग की मात्रा का सेवन करना आपको कई पुरानी और भयंकर बीमारियों से बचाने का कार्य करता है। लेकिन इसका मतलब कतई यह नहीं है कि आप किसी भी तरह के फल और सब्जी का सेवन कर सकते हैं। सभी फल और सब्जी उतने गुणकारी नहीं होते। आइए, जानते हैं कि कैसे हुई यह रिसर्च और कौन से फल और सब्जी आपके लिए फायदेमंद हैं। मेडिटेरेनियन डाइट दिमाग को जवान रखने में बेहद फायदेमंद है। एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने मेडिटेरेनियन डाइट के उन सकारात्मक असर का खुलासा किया है, जो दिमाग पर पड़ते हैं। साथ ही उनका यह भी कहना है कि उसके साथ वेस्टर्न फूड को शामिल करने से बचना चाहिए क्योंकि उसके बाद यह नकारात्मक असर डाल सकता है।

क्या है मेडिटेरेनियन डाइट?

प्लांट बेस्ड डाइट को मेडिटेरेनियन डाइट कहा जाता है। इसमें हर तरह की सब्जियां, फल और अनाज शामिल होते है। नट्स और सीड्स से इस डाइट को बेहतर बनाया जाता है। इसको फॉलो करने वाले लोग अपना खाना सिर्फ ऑलिव ऑयल में ही पकाते हैं।

मेडिटेरेनियन डाइट का फायदा

शिकागो के रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिकों ने मेडिटेरेनियन डाइट का हैरतअंगेज फायदा बताया है। वैज्ञानिक बताते हैं कि मेडिटेरेनियन डाइट लेने वाले लोगों का दिमाग अन्य के मुकाबले अधिक जवान रहता है । लेकिन यह असर तभी हो सकता है, जब सिर्फ इसी डाइट का इस्तेमाल किया जाए। इस डाइट में नाश्ते में एवोकाडो, अंडे, ताजे फल, फ्लैक्स सीड्स आदि लेने चाहिए।

पश्चिमी डाइट मिलाने से हो सकता उल्टा नतीजा

इस रिसर्च में 1993-2023 तक 65 साल से ज्यादा उम्र के 5 हजार लोगों पर शोध किया गया था म्इस दौरान खास फूड्स और दिमागी सेहत पर उसके प्रभाव का उन्होंने आंकलन किया। इस संकलित डाटा के नतीजे से पता चला कि जो लोग मेडिटेरेनियन डाइट के पाबंद रहे, उनके दिमाग अन्य के मुकाबले 6 साल तक ज्यादा जवान रहे। वहीं जिन लोगों ने पश्चिमी डाइट में पिज्जा, बर्गर जैसे ज्यादा फूड्स खाए, उनके दिमाग पर नेगेटिव प्रभाव पड़ा।

ये कॉम्बो हो सकता है नुकसानदेह

आहार विशेषज्ञ और शोधकर्ता डॉक्टर पूजा अग्रवाल ने कहा, 'मेडिटेरेनियन डाइट का बड़ा हिस्सा सब्जियों, फलों, मछली और अनाज पर आधारित होता है। यह इंसान की सेहत के साथ ही दिमाग को भी सकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। लेकिन जब उसके साथ तला खाना, मिठाई, रिफाइन्ड अनाज, लाल मांस और प्रोसेस्ड मांस शामिल किया गया तो हमने देखा कि डाइट का मेडिटेरेनियन हिस्सा खाने के फायदे कम हो गए। उन्होंने इस रिसर्च के नतीजे के बाद सलाह दी कि मेडिटेरेनियन डाइट का फायदा उठाने के लिए प्रोसेस्ड फूड्स और अन्य गैर सेहतमंद फूड्स, जैसे तले हुए भोजन और मिठाई के सेवन को सीमित करना होगा।

फल और सब्जी जो है फायदेमंद

- हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, और सलाद पत्ता
- ऐसी सब्जियां जिनमें बीटा कैरोटीन मौजूद है।
- सिटरस फल और बैरीज।

नट्स होते हैं कंप्लीट पैकेज

हालांकि, ऐसे बहुत से आलोचक हैं जो इस रिसर्च की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। लेकिन हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में पोषण विभाग के अध्यक्षों में से एक वाल्ट विलेट नट्स को अधिक फायदेमंद इनके अंदर पाए जाने वाले पोषक तत्वों की वजह से मानते हैं।
ज्ञात हो कि नट्स में एंटीऑक्सीडेंट, अनसैचुरेटेड फैट, फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स, और फाइटोस्टेरॉल जैसे पोषक तत्व शामिल हैं। नट्स के इन्हीं पोषक तत्वों के आधार पर इन्हें एक कंप्लीट पैकेज भी कहा जाता है। यही कारण है कि यह एक स्वस्थ जीवन जीने का आधार माने जाते हैं।
इसके अलावा एक रिसर्च में पीनट्स और पेड़ पर लगने वाले नट्स को भी उतना ही गुणकारी माना गया है। जितना की अखरोट आदि को। ऐसे में आप अगर चाहें तो ट्री नट्स का सेवन भी कर सकते हैं। इसमें आप हेजल नट्स, मैकाडामिया नट्स, पाइन नट्स, पिस्ता आदि को शामिल कर सकते हैं।

नट्स के साथ यह भी जरूरी

हालांकि, प्रोफेसर विलेट नट्स के अधिक सेवन करने को लेकर भी लोगों को चेता रहे हैं। ऐसा ना हो कि आप इसके गुण जानकर अधिक मात्रा में इनका सेवन करना शुरू कर दें। इसलिए विलेट कहते हैं कि इसके साथ साथ आप दूसरे हेल्दी फूड पर विचार कर सकते हैं, जैसे योगर्ट, चिकन, पनीर , फलिया आदि। ध्यान रहे कि आपको एक हेल्दी प्रोटीन डाइट पर फोकस करना है।

ब्रेन या नर्व डिसॉर्डर का संकेत है लगातार आंख फड़कना

अक्सर आंख फड़कती है तो लोग इसे शुभ या अशुभ संकेत के साथ जोड़ देते हैं जबकि यह किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। जी हां, अगर लगातार आंख फड़क रही है तो वह किसी बीमारी की ओर इशारा हो सकती है। ऐसे में उसे हल्के में लेना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि आंखों का फड़कना किन बीमारियों का संकेत है.
दरअसल, पलकों की मांसपेशियों में ऐंठन आने की वजह से इंसान की आंख फड़कने लगती है, जो नीचे - ऊपर दोनों पलकों में हो सकता है। मेडिकल में ऐसा 3 अलग-अलग कंडीशन में होता है- मायोकेमिया, ब्लेफेरोस्पाज्म और हेमीफेशियल स्पाज्म।

- मायोकेमिया के कारण आंख फड़कना लाइफस्टाइल से जुड़ा हुआ है, जिसमें नीचे वाली पलक पर असर पड़ता है। हालांकि इसे सही लाइफस्टाइल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।
- ब्लेफेरोस्पाज्म एक ऐसी गंभीर स्थिति है, जिसमें इंसान की आंख पर कुछ सेकंड, मिनट या घंटों तक फड़कती रहती है। इसमें ऐंठन इतनी ज्यादा होती है कि आंख खुलती तक नहीं। इसमें लोग चाहकर भी आंख को कंट्रोल नहीं कर पाते।
- हेमीफेशियल स्पाज्म बेहद गंभीर मेडिकल कंडीशन हैं, जो अनुवांशिक कारणों से हो सकती है। इसमें आपको डॉक्टर की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है।

डॉक्टर्स के मुताबिक, डिस्टोनिया, बैन पल्सी, मल्टीपल सेलोरोसिस, सर्विकल डिस्टोनिया और पार्किन्सन जैसे ब्रेन या नर्व्स डिसऑर्डर के कारण भी लगातार आंख फड़क सकती है। हालांकि लाइफस्टाइलमें सुधार करके आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा इन कारणों से भी आंख फड़कने की समस्या हो सकती है.

अधिक तनाव लेना

दिनभर काम खत्म होने के बाद भी टेंशन में डूबे रहते हैं तो आपको भी आंख फड़कने की समस्या हो सकती है। स्ट्रेस से दूर रहने के लिए योग करें और हैल्दी डाइट लें।

आंखों पर स्ट्रेस पड़ना

पूरा दिन कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल या टीवी की स्क्रीन से चिपके रहने की वजह से आंखों पर दवाब पड़ता है, जिसके कारण आपको यह समस्या हो सकती है। आंखों को आराम देना बहुत जरूरी है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पलकें झपकाएं, आंखों पर बार-बार पानी के छिंटे मारे व आईज एक्सरसाइज करें।

नींद की कमी

शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पा रहा तो इसके कारण भी आंख फड़कने की परेशानी हो सकती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, हर व्यक्ति को रोज कम से कम 7-9 घंटे की नींद चाहिए होती है।

कैफीन का अधिक सेवन

चाय-कॉफी में कैफीन की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे शरीर को थकावट महसूस होती है। साथ ही इससे नींद में भी खलल पड़ता है। ऐसे में इसकी मात्रा कम करना ही आपके लिए बेहतर होगा।

अल्कोहल

अल्कोहल से ना सिर्फ आंख फड़कने की दिक्कत बढ़ेगी बल्कि धुंधलेपन भी हो सकता है। साथ ही इससे शरीर के दूसरे अंगों पर भी असर पड़ता है।

वजन कंट्रोल करने के लिए बेहद असरदार है गुड़-नींबू का आयुर्वेदिक नुस्खा

मोटापा सिर्फ पर्सनैलिटी ही नहीं बिगाड़ता बल्कि यह कई बीमारियों की जड़ भी है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने के लिए लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं लेकिन किसी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में आज हम आपको एक आयुर्वेदिक ड्रिंक बताएंगे जिससे ना सिर्फ वजन कम होगा बल्कि आप कई बीमारियों से भी बचे रहेंगे। वजन कंट्रोल करने में लिए गुड़-नींबू का आयुर्वेदिक नुस्खा बेहद असरदार है और आज हम आपको इससे ड्रिंक बनाने की रेसिपी बताएंगे।

ऐसे बनाएं नींबू और गुड़ की ड्रिंक्स

- सबसे पहले नींबू को काटकर उसके बीज अलग कर लें।
- इसके बाद 1 गिलास पानी में 1 चम्मच नींबू का रस व थोड़ा-सा गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे तक तक मिलाते रहे, जब तक गुड़ घुल ना जाएं।
- अब इस ड्रिंक को छानकर पीएं। आप चाहे तो इसमें पुदीने के पत्तें भी डाल सकते हैं।

कब करें इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन

सुबह खाली पेट इस ड्रिंक का सेवन चर्बी जलाने में मदद करेगा। पुदीना डालने से स्वाद व सेहत भी बरकरार रहेगी। साथ ध्यान रखें कि गुड़ की मात्रा सीमित रखें क्योंकि इसका अधिक इस्तेमाल ड्रिंक का स्वाद बिगाड़ देगा।

कैसे काम करती है ये ड्रिंक?

- मिनरल्स, पोटेशियम, फाइबर, कार्ब्स और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर गुड़ मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। साथ ही इससे पाचन तंत्र भी बढ़िया तरीका से काम करता है, जिससे शरीर में जमा हुआ फैट बाहर निकल आता है।
- वहीं, नींबू के एंटीऑक्सीडेंट, जिंक और सेलेनियम जैसे तत्व बॉडी को डिटॉक्स करते हैं और इम्यूनिटी व एनर्जी बढ़ाते हैं, जिससे वजन घटाने में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा नींबू शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाता है।

दरअसल, नींबू और गुड़ की ड्रिंक पीने से शरीर में विटामिन सी की कमी नहीं होती। साथ इससे शरीर को जिंक और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मिलते हैं, जो मेटाबॉलिज्म के सा पाचन तंत्र को दुरूस्त करता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन वेट लूज में मदद करता है।

शेयरहोल्डर्स ने बोट आईपीओ को दी हरी झंडी

ईयरबड्स-स्मार्ट वॉच के लिए मशहूर है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। ईयरबड्स और स्मार्ट वॉच जैसे प्रोडक्ट बनाने वाली दिग्गज कंपनी बोट के आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। इस कंपनी ने आईपीओ योजना के साथ आगे

बढ़ने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी हासिल कर ली है। अब कंपनी बाजार नियामक सेबी के साथ प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश यानी आईपीओ के लिए ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने के लिए तैयार है। बता दें कि साल 2022 में पहली बार कंपनी ने आईपीओ के लिए प्रयास किया था लेकिन बाजार के माहौल को देखते हुए योजना को रद्द करना पड़ा।

आईपीओ में फ्रेश इश्यू भी

इकोनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक बोट ब्रांड की मूल कंपनी इमेजिन मार्केटिंग के शेयरधारकों ने एक विशेष प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे कंपनी को आईपीओ लाने की अनुमति मिल जाएगी। इस आईपीओ में कंपनी फ्रेश इश्यू से 500 करोड़ रुपये जुटा सकती है। फायरसाइड वेंचर्स समर्थित कंपनी बोट गोपनीय फाइलिंग रूट के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। बता दें कि खाद्य और किराना डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने भी अपने आईपीओ के लिए सेबी का प्री-फाइलिंग रूट अपनाया था।

नए दौर की नौकरियों के लिए तैयार हो रहे बच्चे

यदु पब्लिक स्कूल ने पेश किए रोबोटिक्स से लेकर सेंसर बेस्ड उपकरण

नईदिल्ली, एजेंसी। तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा का स्वरूप भी बदल रहा है। स्कूलों में किताबी पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार (इनोवेटिव) गतिविधियों का संगम छात्रों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इनोवेशन से जुड़ी गतिविधियां रचनात्मकता, समस्या-समाधान और नेतृत्व जैसे कौशल विकसित करने में अहम भूमिका निभाती हैं। इसी क्रम में नोएडा के यदु पब्लिक स्कूल में 'विकसित भारत में विज्ञान एवं कला' थीम पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने रोबोटिक्स से लेकर सेंसर आधारित उपकरणों से जुड़े मॉडल पेश किए।

नवाचार गतिविधियां बच्चों में जिज्ञासा को बढ़ाती हैं। उन्हें किताबों से बाहर सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। यह 21वीं सदी की नौकरियों के लिए जरूरी कौशल तैयार करने का आधार है। जब बच्चे अपने हाथ से कुछ बनाते हैं या किसी समस्या का समाधान खोजते हैं, तो वे न केवल तकनीकी ज्ञान हासिल करते हैं, बल्कि असफलता से सीखने का साहस भी विकसित करते हैं. कौशल-आधारित शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने से आने वाले सालों में भारतीय

छात्र वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना सकेंगे और अपना भविष्य संवार सकेंगे। यदु पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रदर्शनी में छात्रों ने प्लास्टिक प्रबंधन, प्रदूषण, डिजिटल क्रांति, रोबोटिक्स, बेबी क्रेडल्स, सेंसर आधारित वाटर डिस्पेंसर, फायर अलार्म, सेंसर आधारित उपकरणों जैसी नवीन परियोजनाओं का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें बच्चों की रचनात्मकता और इनोवेशन की बेजोड़ झलक देखने को मिली। इस अवसर पर शीर्ष तीन विजेता परियोजनाओं को सम्मानित किया गया। जिनमें कार्बन फिल्टरेशन मॉडल को पहला, ड्रिप इरिगेशन को दूसरा और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन मॉडल को तीसरा स्थान मिला। विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिया गया। प्रदर्शनी कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद एवं मंत्री डीपी यादव ने किया। इस अवसर पर यदु कॉरपोरेशन के अध्यक्ष कुणाल यादव, स्कूल की एमडी कुंज यादव और प्रसिद्ध खाद्य व सुरक्षा वैज्ञानिक एवं आरडब्लयूए अध्यक्ष डॉ. कीर्ति उपस्थित रहीं।

स्कूल की एमडी कुंज यादव ने छात्रों के इनोवेटिव प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की विज्ञान और कला प्रदर्शनी से बच्चों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को बढ़ाती है। यह बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देते हैं। पूर्व सांसद डीपी यादव ने छात्रों की असाधारण प्रतिभा की सराहना की और उन्हें लगातार आगे सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। यदु कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष कुणाल यादव ने कहा कि हमें इस तरह के मंचों की जरुरत है, जो भविष्य के साइंटिस्ट और कलाकारों को तैयार करने में मदद करें।

एक से अधिक पैन कार्ड रखने पर लग सकता है 10000 रुपये तक जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने उन्नत ई-गवर्नेंस के जरिये पैन (स्थायी खाता संख्या) से जुड़ी सभी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पैन 2.0 योजना की शुरुआत की है। पैन 2.0 के जरिये सरकार डुप्लिकेट पैन को पूरी तरह खत्म करना चाहती है।अब सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति एक से ज्यादा पैन कार्ड रख

सकता है आयकर अधिनियम-1961 के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति एक से ज्यादा पैन कार्ड नहीं रख सकता है। अगर किसी व्यक्ति के नाम पर एक से ज्यादा पैन कार्ड पाए जाते हैं, तो उसे क्षेत्राधिकार वाले कर अधिकारी को सौंपकर रद्द कराना होगा। ऐसा नहीं करने पर आयकर अधिनियम की धारा-272बी के तहत कर अधिकारी एक से अधिक पैन कार्ड रखने वाले व्यक्तियों पर 10,000 रुपये तक जुर्माना लगा सकते हैं।

अब तक 78 करोड़ पैन जारी

आंकड़ों के मुताबिक, अब तक लगभग 78 करोड़ पैन जारी किए जा चुके हैं इनमें से 98 फीसदी पैन कार्ड व्यक्तिगत करदाताओं के पास हैं। पैन 2.0 योजना से आयकर विभाग के डिजिटल बुनियादी ढांचे को भी मजबूती मिलेगी।

ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत देश की ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक ही नियामक ढांचे (सिंगल रेगुलेटरी फ्रेमवर्क) के अंतर्गत लाने की योजना है। इससे अलग-अलग राज्यों में लागू विभिन्न कानूनों को खत्म किया जा सकेगा। गृह मंत्रालय ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक समिति का गठन किया है, जिसमें गृह मंत्रालय के अधिकारी, कानूनी और नीति विशेषज्ञ, और गेमिंग उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति ने शुरुआत में इस बात पर विचार किया कि क्या गेमिंग (कौशल आधारित खेल) और जुआ (चांस आधारित खेल) के बीच अंतर स्पष्ट करने के लिए एक नया कानून बनाने की जरूरत है। यह मुद्दा लंबे समय से विवादित रहा है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही ऑनलाइन गेमिंग को कौशल का खेल और जुआ को संयोग का खेल माना है।

टैक्सेशन और अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ने बढ़ाई चिंता- सरकार दो महत्वपूर्ण कारणों से भी एकीकृत ढांचा लागू करना चाहती है। पहला, ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर टैक्सेशन को लेकर स्पष्टता की जरूरत है, क्योंकि इन कंपनियों ने सुप्रीम कोर्ट में 1.12 लाख करोड़ के जीएसटी नोटिस को चुनौती दी है। अदालत ने इन नोटिसों पर रोक लगा दी है और 18 मार्च से सुनवाई शुरू होगी। दूसरा, गृह मंत्रालय को उन विदेशी कंपनियों की गतिविधियों पर चिंता है, जो ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी की पेशकश कर रही हैं।

तेजी से विकास की संभावना देख रही सरकार

सरकार इस क्षेत्र में तेजी से विकास की संभावना देख रही है। एक अधिकारी के मुताबिक, ऑनलाइन गेमिंग उद्योग ने कई प्रस्तुतियां दी हैं, जिससे विदेशी निवेश को आकर्षित किया जा सके। इसके लिए केंद्र सरकार एकल कानून को जरूरी मानती है। यह कानून भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) को विदेशी कंपनियों पर नियंत्रण रखने में भी मदद करेगा। यह कदम 2022 से शुरू हुए पिछले प्रयासों का विस्तार है, जब आईटी मंत्रालय को इस क्षेत्र के लिए नोडल मंत्रालय बनाया गया था। पिछले कुछ सालों में कई राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग को लेकर अलग-अलग कानून बनाए हैं। कर्नाटक ने 2021 में ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन यह असफल रही। 2023 में कर्नाटक सरकार ने इसे विनियमित करने की योजना बनाई। महाराष्ट्र और तमिलनाडु ने भी ऑनलाइन गेमिंग पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन इन मामलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

वेसुवियस इंडिया लिमिटेड को क्यू3 रिजल्ट में मिली शानदार ग्रोथ

अब शेयर होल्डर को प्रति शेयर इतने रुपए का डिविडेन्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। सिरेमिक कंपनी वेसुवियस इंडिया लिमिटेड ने बुधवार, 26 फरवरी को अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा की। अपने नतीजों के साथ ही कंपनी ने अपने इक्विटी शेयरों के विभाजन की भी घोषणा की है। यह एक इक्विटी शेयर, जिसकी वर्तमान में फेस वैल्यू 10 रुपए है, उसे 1 रुपए फेस वैल्यू वाले दस शेयरों में विभाजित करेगी। बता दें कि वेसुवियस इंडिया लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 0.4 प्रतिशत बढ़कर 4,049 रुपए पर बंद हुए। शेयर में 5,999 रुपए के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस साल भी अब तक यह शेयर 20 प्रतिशत तक टूट चुका है।

प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया- वेसुवियस इंडिया ने अपनी टॉपलाइन में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले साल के 413.5 करोड़ रुपए से बढ़कर 507.5 करोड़ रुपए हो गई है। कंपनी के इंटरेस्ट, टैक्स, डिप्रीशीएशन और अमॉर्टाइजेशन से पहले इसकी आय में भी पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। हालांकि, हायर इनपुट कॉस्ट ने कंपनी के इबीआइटीए मार्जिन को लगभग 300 बेसिस पॉइंट से प्रभावित करके 15.9 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा, कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 14.5 रुपए प्रति शेयर का लाभांश (डिविडेन्ड) घोषित किया है, जिसके लिए उसने 1 मई को रिकॉर्ड तिथि तय

की है। शेयर विभाजन की रिकॉर्ड तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है।

वेसुवियस इंडिया का कारोबार

वेसुवियस इंडिया लिमिटेड यूके स्थित सामग्री इंजीनियरिंग निर्माता वेसुवियस पीएलसी की सहायक कंपनी है। कंपनी इस्पात निर्माण, फाउंड्री और सीमेंट उत्पादन जैसी उच्च तापमान वाली औद्योगिक प्रक्रियाओं में उपयोग की जाने वाली दुर्दम्य वस्तुओं के उत्पादन और सर्विसिंग में लगी हुई है।

सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक के एक बड़े ऐलान से 17 प्रतिशत तक लुढ़क गए वायर एंड केबल कंपनियों के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। वायर एंड केबल कंपनियों के शेयर गुरुवार को बाजार खुलते ही धड़ाम हो गए हैं। पॉलीकैब लिमिटेड, केईआई इंडस्ट्रीज, हैवेल्स इंडिया, आर आर केबल और फिनोलेक्स केबल्स के शेयर गुरुवार को 17 पर्सेंट तक टूट गए हैं। इन कंपनियों के शेयरों में यह तेज गिरावट अल्ट्राटेक सीमेंट के एक बड़े ऐलान के बाद आई है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने वायर एंड केबल्स बिजनेस में उतरने का ऐलान किया है। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गुरुवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 10378.80 रुपये पर पहुंच गए हैं।

17 प्रतिशत लुढ़क गए केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर- वायर एंड केबल कंपनी केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को 17 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 3130.15 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 फरवरी को 3796.05 रुपये पर बंद हुए थे। पॉलीकैब इंडिया के शेयर

13 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 4995.65 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। आर आर केबल के शेयरों में 12 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है। आर आर केबल के शेयर गुरुवार को 969.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। हैवेल्स इंडिया के शेयर 7 पर्सेंट से अधिक लुढ़ककर 1402.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, फिनोलेक्स केबल्स के शेयर 5 पर्सेंट की गिरावट के साथ 852.15 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

जेफरीज ने कंपनी के शेयरों को दिया 13265 रुपये का टारगेट- अल्ट्राटेक सीमेंट वायर एंड केबल्स बिजनेस में दो साल में 1800 करोड़ रुपये लगाएगी। ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 13,265 रुपये का प्राइस टारगेट दिया है। यानी, करेंट लेवल से अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में 21 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल देखने को मिल सकता है।

मकान या दुकान किराये पर देकर करते हैं कमाई

1 अप्रैल से मिलेगी ये खुशखबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी एक अप्रैल से नए वित्त वर्ष की शुरुआत होने वाली है। इस वित्त वर्ष के पहले दिन से ही कई ऐसे बदलाव होंगे जिसका फायदा आम लोगों को मिलेगा। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जो अपना मकान, ऑफिस या दुकान किराये पर देकर कमाई करते हैं। आइए समझते हैं कैसे फायदा मिलने वाला है। दरअसल, बीते एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को पेश किया था। इस

बजट में किराया पर टीडीएस के लिए 2.40 लाख रुपये की वार्षिक सीमा को बढ़ाकर छह लाख रुपये करने का ऐलान किया गया। इसका फायदा उन लोगों को मिलेगा जो किराये के पैसे से कमाई करते रहे हैं। अब एक अप्रैल से इन लोगों को राहत मिलेगी।

ये भी होंगे बदलाव

अपडेटेड आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले व्यक्तियों के लिए समय सीमा को भी बढ़ाकर चार साल कर दिया गया है। अपडेटेड आईटीआर को वे करदाता दाखिल करते हैं जो निर्धारित समय पर अपनी सही आय की जानकारी नहीं दे पाए थे। फिलहाल ऐसे रिटर्न संबंधित कर आकलन वर्ष के दो साल के भीतर दाखिल किए जा सकते हैं। लगभग 90 लाख करदाताओं ने अतिरिक्त टैक्स का भुगतान करके स्वेच्छा से अपने आय विवरण को अपडेट किया है।

40000 लोगों को इनकम टैक्स का नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट टीडीएस में गड़बड़ी को लेकर जांच अभियान शुरू किया है, जिसके दायरे में 40 हजार से अधिक टैक्सपेयर्स हैं। इसमें उन लोगों और कंपनियों के खिलाफ शिकंजा कसा जाएगा, जिन्होंने टीडीएस/टीसीएस नहीं काटा है या जमा नहीं किया है। इन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यह कार्रवाई वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 में काटे गए टैक्स के आधार पर हो रही है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने टीडीएस भुगतान में कई तरह की गड़बड़ियां पाई हैं। बोर्ड ने टीडीएस न भरने वाले लोगों को पकड़ने के लिए 16 सूत्रीय योजना बनाई है। इसके अलावा डेटा एनालिस्ट टीम ने जांच के लिए ऐसे टैक्सपेयर्स की लिस्ट बनाई है, जिन्हें जांच के लिए रडार पर रखा गया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि इन करदाताओं को नोटिस भेजा जाएगा, जिससे उन्हें कर जमा करने में हुई किसी भी गलती को सुधारने का मौका दिया जाएगा।

बार-बार नियम उल्लंघन पर सख्ती बढ़ेगी- बताया जा रहा है कि आयकर विभाग ने इन लोगों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी की है, जो लगातार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इसके अलावा, उन मामलों में भी शिकंजा कसा जाएगा, जहां टीडीएस कटौती और अग्रिम कर भुगतान के बीच बड़ा अंतर हो। कंपनियां बार-बार टीडीएस काटने के विवरण में बदलाव कर रही हो।

गलत तरीके से काटा है तो टीडीएस तो 31 मार्च तक सुधार का मौका- अगर बैंक या दूसरी संस्थाओं ने गलत तरीके से किसी टैक्सपेयर का टीडीएस काट लिया है तो वह इस कटौती को 31 मार्च तक सुधार कर सकता है। इसके तहत उन टैक्सपेयर्स को भी मौका मिलेगा, जिनके काटे गए टीडीएस की जानकारी फॉर्म 26एएस या वार्षिक सूचना रिपोर्ट में नहीं दिख रही है।

बैंक की नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम

अब 207 करोड़ की फंडिंग वाली कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के रहने वाले रोहित झा ने ट्रांससेलेस्टियल नाम की कंपनी शुरू की है। इस कंपनी ने लगभग 207 करोड़ रुपये (2.4 करोड़ डॉलर) की फंडिंग हासिल की है। 36 साल के रोहित पहले सिंगापुर में बैंकिंग सेक्टर में काम करते थे। उन्होंने अपने स्पेस और टेलीकॉम टेक्नोलॉजी के जुनून को पूरा करने के लिए यह जमी-जमाई नौकरी छोड़ दी। आज उनकी गिनती सफल उद्यमियों में होती है। आइए, यहां रोहित झा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जमशेदपुर में पले-बढ़े

जमशेदपुर में पले-बढ़े रोहित झा ने हाईस्कूल के बाद सिंगापुर की नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। 2011 में उन्होंने रॉयल बैंक ऑफ कनाडा में हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग में अपना करियर शुरू किया। यहीं उन्हें एक बड़ी

चुनौती का सामना करना पड़ा। बैंकिंग सेक्टर में काम करते हुए रोहित को एहसास हुआ कि इंटरनेट इतना खराब क्यों है।

इस बात पर गया ध्यान – रोहित ने पाया कि दुनिया का ज्यादातर इंटरनेट समुद्र तल में बिछे फाइबर ऑप्टिक केबलों के नेटवर्क से आता है। ये केबल महाद्वीपों को जोड़ते हैं। इन केबल को बिछाने में अरबों डॉलर लगते हैं। समुद्री गतिविधियों के कारण इनमें खराबी भी आती है। लोगों तक इंटरनेट पहुंचाना महंगा होता है। यही कारण है कि इंटरनेट कंपनियां ज्यादातर बड़े शहरों पर ध्यान देती हैं, जहां उन्हें ज्यादा मुनाफा होता है। वे छोटे शहरों और गांवों को नजरअंदाज कर देती हैं या वहां सीमित इंटरनेट सेवा देती हैं। इसी दौरान रोहित को यह भी लगा कि बैंकिंग का क्षेत्र उनके लिए सही नहीं है।

2025 में छोड़ दी नौकरी – 2015 में रोहित ने नौकरी छोड़ दी और एक साल घूमने में बिताया। फिर उन्होंने ट्रांससेलेस्टियल की शुरुआत की। यह स्टार्टअप लेजर तकनीक से चलने वाला एक नेटवर्क बना रहा है जो मोबाइल टावरों, स्ट्रीट लाइट पोल और दूसरे स्ट्रक्चर्स को जोड़ता है। यह फाइबर जैसी तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करता है, जिससे इंटरनेट की पहुंच बेहतर हो सके। ट्रांससेलेस्टियल की महत्वाकांक्षाएं काफी ऊंची हैं। कंपनी की योजना लो अर्थ ऑर्बिट में छोटे सैटेलाइट का एक समूह बनाने की है। इससे उनका लेजर नेटवर्क न केवल शहरों को, बल्कि पूरे महाद्वीपों को भी जोड़ सकेगा।

यह है चाहत – रोहित झा की कहानी प्रेरणादायक है। यह दर्शाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने जुनून का पीछा करके बड़ा बदलाव ला सकता है। उनकी कंपनी ट्रांससेलेस्टियल इंटरनेट की दुनिया में क्रांति लाने की क्षमता रखती है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अभी भी इंटरनेट की पहुंच सीमित है। रोहित का मानना है कि इंटरनेट एक बुनियादी अधिकार होना चाहिए ।

रिटायरमेंट के बाद खेल के मैदान पर उतरीं बरेली की शालिनी

64 साल की उम्र में टेबल टेनिस में बनाई पहचान

बरेली, एजेंसी। सेवानिवृत्त होने के बाद शालिनी गोयल ने टेबल टेनिस के खेल में कदम रखा। उन्होंने 64 साल की उम्र में कई नए आयाम स्थापित किए। अक्सर लोग रिटायरमेंट के बाद आराम करना पसंद करते हैं, लेकिन बरेली की शालिनी ने इस धारणा को तोड़ते हुए टेबल टेनिस में नई पहचान बनाई है। आशीष रॉयल पार्क निवासी शालिनी गोयल जनवरी 2021 में केंद्रीय विद्यालय से सेवानिवृत्त हुईं थीं। इसके बाद अपने खाली समय का सदुपयोग करने, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखने के लिए उन्होंने टेबल टेनिस से खेल में कदम रखा। उन्होंने खेल के प्रति अपने रुझान को पहचाना और रिटायरमेंट के बाद इसे गंभीरता से अपनाया। रिटायरमेंट के बाद शालिनी ने टेबल टेनिस खेल की शुरुआत सोसाइटी के क्लब में खेलने से की।

मेहनत और अभ्यास से बनाई पहचान

शालिनी ने बिना किसी पेशेवर कोचिंग के टेबल टेनिस खेलना सीखा। उन्होंने अपनी लगन और आत्मविश्वास के दम पर कठिन अभ्यास किया और अपनी तकनीक को निखारा। धीरे-धीरे उन्होंने स्थानीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया और सफलता हासिल की। उनकी मेहनत, समर्पण रंग लाई और उन्होंने खेलो मास्टर्स जैसी प्रतियोगिताओं में चैंपियन का तमगा हासिल किया। इससे पूर्व साल 2020 में हुई टेबल टेनिस (कर्मचारी) राष्ट्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता में महिला ओपन एकल वर्ग प्रतियोगिता में रजत पदक अपने नाम किया। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने वर्ष 2022 में हुई उत्तर प्रदेश मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने दिल्ली में हुई खेलो मास्टर्स प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया। बैंकॉक में हुई एशिया पेसिफिक वेटरेन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भी प्रतिभाग किया। हाल ही में वह इंदौर में आयोजित हुई नेशनल टेबल टेनिस वेटरन चैंपियनशिप में खेलकर आई हैं।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती- शालिनी

शालिनी का कहना है कि जीवन में कुछ भी नया सीखने के लिए कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने कहा कि लोग सोचते हैं कि उम्र बढ़ने के बाद कुछ नया सीखना संभव नहीं होता, लेकिन ऐसा नहीं है। रिटायरमेंट के बाद समय का सही उपयोग करना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि टेबल टेनिस ने उन्हें फिट, सक्रिय बनाने के साथ-साथ एक नई पहचान भी दी।

आर्चर ने एंडरसन को पछाड़ा

सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने वाले इंग्लैंड के गेंदबाज बने

लाहौर, एजेंसी। जोफ्रा आर्चर यहां गद्दाफी स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में 50 वनडे विकेट तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज बन गए। आर्चर ने धमाकेदार शुरुआत की और बुधवार को तीन तेज विकेट लेकर अफगानिस्तान के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। इस प्रक्रिया में, उन्होंने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की- एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) क्रिकेट में 50 विकेट पूरे किए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे इंग्लैंड के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बन गए, उन्होंने दिग्गज जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ दिया।

आर्चर की उपलब्धि से पहले, एंडरसन ने 31 मैचों में इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन आर्चर एक कदम आगे निकल गए, उन्होंने अपने 30वें वनडे में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। इसके साथ ही उन्होंने स्टीव हार्मिसन (32 मैच), स्टीवन फिन (33 मैच) और स्टुअर्ट ब्रॉड और डैरेन गॉफ (दोनों 34 मैच) सहित अन्य उल्लेखनीय इंग्लिश गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया।

वैश्विक मंच पर, श्रीलंका के मिस्ट्री स्पिनर अजंता मेंडिस के नाम अभी भी सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड है, जिन्होंने सिर्फ 19 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। तेज गेंदबाजों में, भारत के अजीत अगरकर सबसे तेज गेंदबाजों में से एक हैं, जिन्होंने सिर्फ 23 वनडे में यह उपलब्धि हासिल की है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पावरप्ले में उनका स्कोर 39/3 हो गया। तेज गेंदबाज ने स्ट्राइक बैटर रहमानुल्लाह गुरबाज (6) को इनस्विंगिंग फुलर डिलीवरी से आउट किया। फिर उन्होंने सेदिकुल्लाह अटल को चार रन पर विकेट के सामने लपक लिया। रहमत शाह ने गेंद को पुल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे डीप फाइनलेग में चली गई, जिससे आर्चर का तीसरा विकेट मिल गया। आर्चर को इस मुकाम तक पहुंचने में करीब छह साल लग गए, जबकि 2019 में उन्होंने धमाकेदार शुरुआत की थी, जहां उन्होंने अपने डेब्यू के कुछ महीनों के भीतर ही 23 वनडे विकेट और विश्व कप विजेता पदक जीता था। हालांकि, लगातार चोटों और वनडे प्रारूप की घटती लोकप्रियता ने उनकी प्रगति को धीमा कर दिया। असफलताओं के बावजूद, इस मुकाम तक पहुंचना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अफगानिस्तान ने किया उलटफेर

325 के जवाब में 317 पर रोककर इंग्लैंड को 8 रन से हराया

लाहौर, एजेंसी। गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान ने बड़ा उलटफेर करते हुए इंग्लैंड टीम को 8 रन से हरा दिया है। इस हार के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें लगाई बैठी इंग्लैंड टीम को झटका लगा है। इंग्लैंड ने पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से पांच विकेट से गंवा दिया था। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उनकी गेंदबाजी सही नहीं रही। इब्राहिम जादरान दीवार की तरह खड़े रहे और 146 गेंदों पर 177 रन बनाकर अपनी टीम को 325 रन तक पहुंचा दिया।

जवाब में खेलने उतरी इंग्लैंड टीम ने जो रूट के शतक के कारण मजबूती से वापसी की लेकिन अंतिम ओवरों में विकेट गिर जाने के चलते वह मुकाबला हार गए। अफगानिस्तान के लिए उमरजजई ने 5 विकेट चटकाए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने खराब शुरूआत की। 5वें ओवर में गुरबाज महज 6 रन बनाकर आऊट हो गए। गेंद जोफ्रा आर्चर के हाथ में थी। उन्होंने इसी ओवर में अटल (4) का विकेट भी निकाल दिया। 9वें ओवर में जोफ्रा ने रहमत शाह (4) को आऊट कर अफगानिस्तान को तीसरा झटका दे दिया। 30वें ओवर में कप्तान शाहिदी को आदिल राशिद ने अपना शिकार बनाया। शाहिदी ने 67 गेंदों पर 40 रन बनाए। इस बीच इब्राहिम जादरान ने अपना शतक पूरा किया। एक छोर पर खड़े उमरजजई ने भी बड़े शॉट लगाए। 40वें ओवर में उमरजजई 31 गेंदों पर 41 रन बनाकर जेमी ओवरटन का शिकार हो गए। क्रीज पर आए मोहम्मद नबी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की खूब खबर ली और टीम स्कोर 300 पार करवा दिया। इब्राहिम जादरान ने जहां 146 गेंदों पर 12 चौके और 6 छक्कों की मदद से 177 रन बनाए तो वहीं, मोहम्मद नबी ने 24 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने चौथे ही ओवर में फिल सॉल्ट का विकेट गंवा दिया। जेमी स्मिथ सातवें ओवर में नबी का शिकार हो गए। इस के बाद बेन डकेट के साथ मिलकर जो रूट ने इंग्लैंड की पारी को संभाला।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ो, तुम...

- अख्तर की अफगानिस्तान टीम से खास अपील!

लाहौर, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया. अफगानिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड को 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा. वहीं, इस हार के बाद जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया था. अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है. अब अफगानिस्तान की जीत पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इंस्टाग्राम पोस्ट किया है.

शोएब अख्तर ने कहा कि अफगानिस्तान को बधाई, आपके लिए बहुत खुश हूं.

तुमलोग इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ना... शोएब अख्तर वीडियो में कह रहे हैं कि मुझे याद मैंने गुलब्दीन को कहा कि प्लीज इंग्लैंड को हराओ, जिसके जवाब में उसने कहा कि आप टेंशन ना लें भाई, हम अंग्रेजों को हराएंगे. रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा कि उस समय हम लोग दुबई में थे. मैंने गुलब्दीन को कहा था कि तुमलोग इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ना, तुम्हें इन दोनों टीमों के खिलाफ हर हाल में जीतना चाहिए. आपने आज अफगानिस्तान को बहुत गौरवान्वित किया है. अब आपके पास परिपक्वता है. आप जानते हैं कि क्रिकेट कैसे खेलना है. आपने बड़ी टीम को हराया है, आप आज का दिन एंजॉय करें. साथ ही याद रखो आप सेमीफाइनल से आगे खेलोगे.

मोनाको फीडे महिला ग्रां प्री

सातवें दौर में हम्पी कोनेरू की शानदार जीत

मोनाको, एजेंसी। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के सातवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने बेहद रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की हालांकि इस मुक़ाबले में सबसे चर्चित क्षण हम्पी की विरोधी खिलाड़ी सारा खादेमालशरीह का हार स्वीकार करना रहा , जिन्होंने पांच घंटे से अधिक की कड़ी लड़ाई के बाद

लगभग हारी हुई स्थिति से बराबर पर आ चुकी बाजी में गलती से हार मान ली। हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से क्वीन गैम्बिट डिक्लाइंड ओपनिंग में खेलते हुए मजबूत स्थिति हासिल की और खेल के मध्य में शानदार योजना के साथ सारा की स्थिति को मुश्किल में डाल दिया था । 41वें चाल में घोड़े के साहसिक बलिदान नें खेल को हम्पी नें अपने पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि, खेल के अंतिम क्षणों में जब मुकाबला ड्रॉ की स्थिति में पहुंच गया था, खादेमालशरीह ने गलती से हार स्वीकार कर ली। यह टूर्नामेंट का सबसे नाटकीय क्षण था, जिसने दर्शकों को स्तब्ध कर दिया।सातवें दौर अन्य मुकाबलों में एलिसाबेथ पैहत्ज़ नें अलेक्ज़ेंड्रा गोरयाचकिना से , बटखुयाग मंगुन्तूल नें हरिका द्रोणावल्ली से ,अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें बिबिसारा असौबायेवा से , झोंगयी तान नें कटेरिना लागनो से ड्रॉ खेलते हुए आधा अंक बाँट लिया ।

पाकिस्तानी क्रिकेटर फखर जमां लेंगे संन्यास...

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की मेजबानी में इस समय आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 खेली जा रही है. ग्रुप-ए से भारतीय टीम और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है. जबकि मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. इस खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान टीम को एक और तगड़ा झटका लगने जा रहा है. पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टार ओपनर फखर जमां वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना रहे हैं. इस बारे में उन्होंने अपने परिवार से भी बात कर ली है. साथ ही वो परिवार के साथ देश छोड़ने का भी मन बना रहे हैं. दरअसल, 34 साल के फखर जमां चैम्पियंस ट्रॉफी नहीं खेल सके. वो चोट के कारण बाहर हो गए. चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर जमां को पाकिस्तानी स्क्वॉड में जगह मिली थी. उन्होंने टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था. इस मैच में उन्होंने 24 रन बनाए थे. इसके बाद वो चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए. अब वो वनडे से संन्यास लेने का मन बना रहे हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तानी टीम की खराब हालत को देखते हुए उन्होंने संन्यास का फैसला किया है. पाकिस्तान टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई है. करीबी सूत्रों ने बताया है कि उन्होंने इस बारे में परिवार से बात कर ली है और जल्द ही संन्यास का ऐलान कर देंगे.

छोड़ देंगे देश, वनडे में जड़ चुके दोहरा शतक

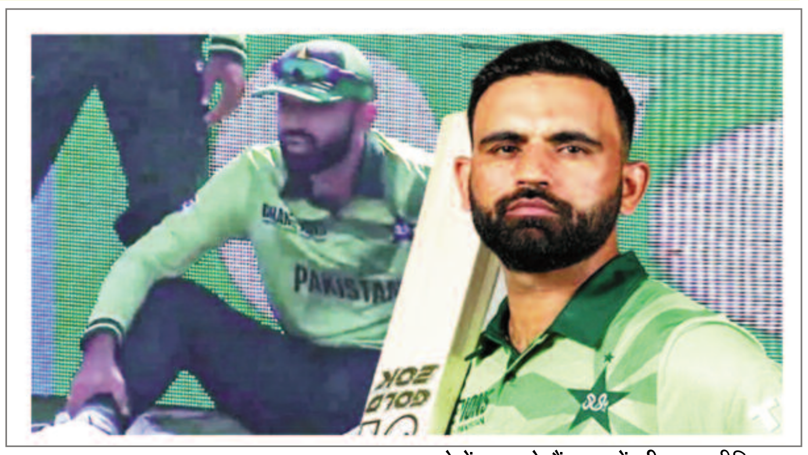

वनडे में लगा चुके हैं डबल सेंचुरी– एक मीडिया रिपोर्ट ने हाल ही में फखर के हवाले से लिखा था, चैम्पियंस ट्रॉफी मेरा आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट होगा. मैं वनडे क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहता हूं. बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भी फखर यह फैसला लेना चाहते हैं.

संन्यास लेने के फैसले में जल्दबाजी ना करें: पीसीबी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने फखर जमां को सलाह दी है. बोर्ड ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले फैसले में जल्दबाजी नहीं करने और इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है. बता दें कि फखर जमां के एक करीबी सूत्र ने बताया, वह अपनी हाल की फिटनेस और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण काफी परेशान और उदास हैं.

जिस गेंदबाज से खौफ खाते थे विराट कोहली

रोनाल्डो से की तुलना, बताया पाकिस्तान का रोल मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में विराट कोहली का सिक्का चलता है. वो वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले क्रिकेटर हैं. इसके अलावा भी उनके नाम कई रिकॉर्ड तो दर्ज हैं ही, उन्हें हर बड़े मैच में प्रदर्शन करने के लिए भी जाना जाता है. शायद यही कारण कि कोहली को अपने करियर में जिस गेंदबाज से सबसे ज्यादा खौफ लगा, अब उसने ही उनकी तुलना दुनिया के बेस्ट फुटबॉलर माने जाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो से कर दी है. हम बात कर रहे हैं मोहम्मद आमिर की. आमिर ने कोहली की जमकर तरीफ की है और उन्हें पाकिस्तान में सबसे बड़ा रोल मॉडल बताया है.

मोहम्मद आमिर का मानना है कि विराट कोहली ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रदर्शन के दम पर सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में नाम कमाया है. वो हर मोर्चे पर बेस्ट हैं, इसलिए वो युवा क्रिकेटरों के सबसे बड़े रोल मॉडल हैं. आमिर ने कहा 'लोग रोनाल्डो से क्यों प्यार करते हैं? वे मेस्सी से क्यों प्यार करते हैं? अगर मैं रोनाल्डो के बारे में बात करूं, तो खास तौर पर उनके

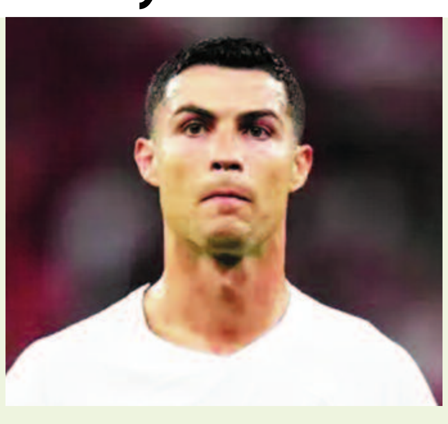

लाइफस्टाइल को देखिए. उनके चैरिटी का काम, उनका वर्क एथिक्स और उनकी फिटनेस देखिए. वो एक पूरा पैकेज हैं. इसी तरह, विराट कोहली भी एक कम्प्लीट पैकेज हैं. वह पाकिस्तान में भी रोल मॉडल हैं. देश मायने नहीं रखता. चाहे वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत या इंग्लैंड से हो, एक रोल मॉडल कहीं से भी हो सकता है. इस पीढ़ी के लिए विराट कोहली एक प्रेरणा हैं.'

आमिर ने आगे कहा कि 'विराट कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती. उनका वर्क एथिक्स उनके फॉर्म के आधार पर नहीं बदलता. वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग के लिए 90 मिनट पहले आ गए थे. जो भी क्रिकेटर बनना चाहता है, जो बल्लेबाज बनना चाहता है, उसे विराट कोहली को जरूर फॉलो करना चाहिए.' बता दें आमिर वही गेंदबाज हैं, जिन्हें लेकर एकर इंटरव्यू में विराट ने कहा था कि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका सामना करना उनके लिए सबसे मुश्किल रहा.

डॉन 3 में रणवीर को देखना उत्साहवर्धक, इसी साल होगी शुरू

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के बाद रणवीर सिंह को डॉन फ्रैंचाइज़ को आगे बढ़ाते हुए देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। डॉन 3 की घोषणा पहले 2023 में की गई थी, लेकिन रिपोर्ट्स में प्रोडक्शन में देरी का सुझाव दिया गया है। निर्देशक फरहान अख्तर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में पुष्टि की कि फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट के लिए पूछे जाने पर फरहान अख्तर ने स्पष्ट किया, मैं किसी भी सवाल से बच नहीं रहा हूँ। डॉन 3 की शूटिंग इस साल शुरू होगी और 120 बहादुर साल के अंत तक रिलीज़ होने वाली है।

पिछले साल नवंबर में एक्सेल एंटरटेनमेंट ने देरी की अफवाहों को संबोधित करते हुए एक बयान जारी किया। इसने स्पष्ट किया, निर्माता और रणवीर सिंह इस बात पर एकमत हैं कि डॉन 3 की समयसीमा अपरिवर्तित रहेगी। स्थगन की ऐसी कोई भी खबर सच नहीं है। समयसीमा के साथ, डॉन 3 के लिए जनादेश महत्वाकांक्षी बने हुए हैं - एक सिनेमाई तमाशा पेश करना जो नए मानक स्थापित करते हुए फ्रैंचाइज़ी की विरासत को बनाए रखे।

2023 में, एक विशेष घोषणा वीडियो में रणवीर सिंह को डॉन फ्रैंचाइज़ी के नए चेहरे के रूप में पेश किया गया। उन्होंने घर पर प्रतिष्ठित चरित्र को फिर से निभाते हुए अपनी बचपन की तस्वीर भी साझा की। आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा, मैं समझता हूं कि डॉन राजवंश का हिस्सा बनना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे मौका देंगे और मुझे प्यार देंगे, जिस तरह से उन्होंने पिछले कई सालों में कई किरदारों को प्यार दिया है। कियारा आडवाणी उनके साथ मुख्य भूमिका में होंगी। रणवीर सिंह को आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था, जिसका प्रीमियर पिछले साल दिवाली के दौरान हुआ था।

गोविन्दा के वकील ने किया खुलासा

6 महीने पहले सुनीता ने दी थी तलाक की अर्जी

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें इन दिनों बहुत जोर पकड़ रही है। लेकिन दोनों की तरफ से इस पर किसी तरह का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। अब हाल ही में गोविंदा के वकील और मैनेजर ने खुलासा करते हुए कहा कि सुनीता ने 6 महीने पहले गोविंदा से तलाक की अर्जी दी थी। गोविंदा-सुनीता के तलाक की अफवाहें उड़ने के एक दिन बाद एक्टर के वकील ने खुलासा किया कि सुनीता ने 6 महीने पहले तलाक की अर्जी दी थी। लेकिन बाद में चीजें ठीक हो गईं और यह कपल आगे बढ़ गया। उन्होंने बताया, हम नए साल पर नेपाल गए और पशुपति नाथ मंदिर में पूजा भी की। उन दोनों के बीच सबकुछ ठीक है, हर कपल के बीच छोटी-बड़ी समस्याएं आती रहती हैं। उनके बीच भी आई लेकिन अब वे इन सबको छोड़कर आगे बढ़ गए हैं। वकील बिंदल ने इस बात का भी खंडन कर दिया कि गोविंदा और उनकी पत्नी अलग अपार्टमेंट में रहते हैं। उन्होंने बताया कि सांसद बनने के बाद गोविंदा ने एक बंगला खरीदा था जो उनके घर के ठीक सामने हैं, वे कभी-कभी बंगले में मीटिंग अटेंड करते हैं और वहां सो भी जाते हैं लेकिन सुनीता और गोविंदा दोनों साथ ही रहते हैं अलग नहीं।

सुनीता की वजह से फैली अफवाह?

गोविंदा के मैनेजर ने मीडिया से बात करते हुए खुलासा किया कि सुनीता ने पब्लिसिटी स्टंट के चलते तलाक की अफवाह फैलाई हैं। गोविंदा काफी सिंपल इंसान हैं और वे अपने परिवार की देखभाल में कोई कमी नहीं रखते।

उन्होंने कहा, हां सुनीता ने कोर्ट में कानूनी नोटिस भेजा है लेकिन ये किस बारे में इसकी कोई ठोस जानकारी नहीं है। साथ ही ये नोटिस अभी तक हमारे पास नहीं आया है। मैनेजर ने बताया कि सुनीता पिछले कुछ दिनों से गोविंदा के बारे में अजीब बातें भी कर रही हैं जिसकी वजह से इस खबरों को और हवा मिली है। जैसे उन्होंने कहा कि गोविंदा को डांस उन्हीं ने सिखाया है। गोविंदा ज्यादातर समय बंगले में रहते हैं और अपने परिवार का पूरा ख्याल रखते हैं।

गोविंदा ने 1987 में सुनीता आहूजा से शादी की थी उसके अगले ही साल उन्होंने अपनी बेटी टीना का स्वागत किया और 1997 में उनके दूसरे बच्चे के रूप में हर्षवर्धन का स्वागत किया।

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद को लेकर बोले समय रैना, फैंस को कहा शुक्रिया

मैं बहुत परेशान हूं...

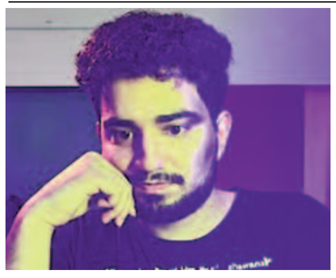

कॉमेडियन समय रैना ने अपने कनाडा शो के दौरान कहा कि वह इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के बीच काफी परेशान थे। यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की अनुचित टिप्पणी के बाद हंगामा मचने के बाद उनका शो विवादों में घिर गया था। कॉमेडियन समय रैना यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की इंडियाज गॉट लैटेंट शो पर की गई टिप्पणी के बाद भारी आलोचनाओं के कारण मुश्किल में फंस गए हैं। फिलहाल समय रैना अनफिल्टर्ड टूर के लिए कनाडा का दौरा कर रहे हैं। शो के दौरान उन्होंने बताया कि वे चिंतित थे और परेशान थे। उन्होंने अपने इस विवाद के बारे में बात की और फैंस को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। समय रैना ने अपने शो के अंत में कहा, जाने से पहले, एक-दो बातें करना चाहता हूं। पहली बात तो आज रात आने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बात ये है जो मुझे तुमसे कहनी है भाई कि मैं इस समय बहुत परेशान हूं।

संजय दत्त ने बताया, कब तांडव मचाएगी 'द भूतनी'

अभिनेता संजय दत्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर सोशल मीडिया पर अपकमिंग एक्शन-हॉरर कॉमेडी के टाइटल के साथ ही रिलीज की तारीख भी बताई।

इंस्टाग्राम पर एक्टर का पोस्ट शेयर करते हुए सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम 'द भूतनी' रखा गया है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता संजय दत्त ने लिखा, इस गुड फ्राइडे, डर को एक नई डेट मिल गई है। पहले से कहीं ज्यादा हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए! 'द भूतनी' मचाएगी तांडव। बता दें, पहले अपकमिंग फिल्म का नाम 'द वर्जिन ट्री' था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर 'द भूतनी' रख दिया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का एक छोटा टीजर भी शेयर किया, जो हमें रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाती है, जहां प्यार, अंधकार में बदल जाता है। सिद्धांत सचदेव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'बफी' फेम अमेरिकन एक्ट्रेस मिशेल ट्रैचेनबर्ग का 39 वर्ष की उम्र में निधन

मिशेल ट्रैचेनबर्ग एक अमेरिकी अभिनेत्री थी, जिनके निधन की खबर मिलते ही अमेरिकन सिने इंडस्ट्री में हलचल मच गई। 'गॉसिप गर्ल' जैसे तमाम सीरीज से चर्चित इस एक्ट्रेस का 39 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। जानिए कैसे हुआ निधन?

क्या है पूरी खबर?

हाल ही में अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली कि अमेरिकन अभिनेत्री मिशेल ट्रैचेनबर्ग ने 39 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार यह सामने आया कि बीते बुधवार को अभिनेत्री मैनहैट्टन स्थित अपार्टमेंट में बेहोश पाई गई थी, फिर आपातकालीन चिकित्साधिकारी ने इन्हें मृत घोषित कर दिया था। इसके साथ ही कुछ और जानकारियों से पता चला कि अभनेत्री ने हाल ही में लीवर ट्रांसप्लांट भी कराया था।

विज्ञापनों का प्रचार

क्रिकेटर्स से कराने पर पाकिस्तानी अभिनेत्री नाराज

हाल के दिनों में तमाम ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट के विज्ञापन फिल्मी सितारों की बजाय खेल सितारों से करा रहे हैं। उन्हें ब्रांड एंबेसडर बना रहे हैं। इस पर पाकिस्तानी अभिनेत्री रबिया कुलसुम ने विरोध जताया है।

एक वक्त था, जब ब्यूटी से लेकर फिटनेस और फूड प्रोडक्ट तक, तमाम ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट के प्रचार के लिए फिल्मी सितारों पर भरोसा जताते थे। मगर, हाल के दिनों में फिजा कुछ बदली है। ब्रांड्स का भरोसा खेल जगत की हस्तियों पर ज्याादा बढ़ा है। इस पर हाल ही में पाकिस्तानी अदाकारा रबिया कुलसुम ने विरोध जताया है। उन्होंने ब्रांड्स से ऐसा न करने की अपील की है।

ब्रांड्स से की गुजारिश

हाल ही में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारतीय टीम से हार गई। इस मैच की चर्चा अब तक सोशल मीडिया पर चल रही है। इस बीच पाकिस्तानी अभिनेत्री रबिया का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हुआ है। इसमें वे क्रिकेटर्स को ब्रांड के प्रमोशन कराने की जिम्मेदारी देने पर विरोध कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह मुद्दा उठाया है।

बोलीं- एक्टर्स का काम एक्टर्स को करने दें प्लीज

रबिया ने पाकिस्तानी टीम की हार पर निराशा जताई है। इसके अलावा उन्होंने ब्रांड के चेहरे के रूप में क्रिकेटरों को लेने वाले ब्रांड्स की कड़ी निंदा की है। हाल ही में, रबिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें ब्रांड्स से गुजारिश की है कि वे क्रिकेटरों को अपने ब्रांड फेस के रूप में इस्तेमाल करना बंद करें। उन्होंने लिखा है, एक्टर्स का काम एक्टर्स को करने दें प्लीज। लेकिन, अगर एक्टर्स का काम क्रिकेटर्स से कराना है तो फिर एक्टर्स को टीम में डालें।

अब नहीं पूरी होगी शाहरुख के फैंस की 'मन्नत'

बंगला छोड़ पूजा कासा में रहने जा रहा पूरा परिवार

मुंबई में समंदर किनारे बनी इमारतों को लेकर बदले नियमों के बाद शाहरुख खान अपने बंगले का विस्तार करने वाले हैं और पहले से बनी इमारत में कुछ पुनर्निमाण कर रहे हैं। इस वजह से अभिनेता परिवार सहित पाली हिल स्थित इमारत पूजा कासा में रहने जा रहे हैं। देश-दुनिया से मुंबई आने वाले हिंदी सिनेमा के शौकीनों की सैर के शहर में कुछ तो ठिकाने निश्चित होते ही हैं। मसलन, रविवार है तो जुहू में समंदर के पास बने बंगले जलसा पर अमिताभ बच्चन के 'संडे दर्शन' होते हैं। कोई बड़ा त्योहार हो या जन्मदिन हो तो शाहरुख खान भी बांद्रा में बैंड स्टैंड स्थित अपने बंगले मन्नत के मुख्य द्वार से सटकर बने मंच पर आकर अपने प्रशंसकों से दुआ सलाम करते हैं, और कभी कभी अपना मशहूर पोज भी बनाते हैं। लेकिन, शाहरुख खान की एक झलक के लिए आने वाले उनके प्रशंसकों की मन्नत अब कुछ महीने पूरी नहीं हो सकेगी। वजह ये है कि मुंबई में समंदर किनारे बनी इमारतों को लेकर बदले नियमों के बाद शाहरुख खान अपने बंगले का विस्तार करने वाले हैं और पहले से बनी इमारत में कुछ पुनर्निमाण भी करने वाले हैं।

सफलता वही टिकती है जो लंबी मेहनत के बाद मिले, इसका शॉर्टकट तलाशने वाले टिकते नहीं हैं

पिता से मिली लिखने की विरासत

मेरे पिता शायर थे। मेरी लेखन में दिलचस्पी वहीं से आई। मैंने तमाम फिल्में दूसरों के लिए लिखी हैं, जिनमें मेरा नाम नहीं है। बतौर लेखक जिस फिल्म में पटकथा लेखक का मुझे क्रेडिट मिला, वह फिल्म रही डेविड धवन की 'स्वर्ग'। आशापूर्णा देवी की कहानी 'जोग बियोग' पर ये फिल्म बनी है। मैंने सफलता मिलने का इंतजार किया और मेरा मानना है कि लंबे समय तक वही सफलता टिकती है, जो आपको इसके लायक बनाने के बाद आती है। शॉर्टकट वाले यहां टिकते नहीं हैं।

अगली फिल्म पर काम शुरू

'भूल भुलैया 3' के बाद से मेरे पास तकरीबन रोज ही कोई न कोई प्रस्ताव आता रहता है। लेकिन, मैं अपना अगला प्रोजेक्ट पहले ही शुरू कर चुका हूं। ये क्या है, इस बारे में आधिकारिक एलान तक इंतजार करना ठीक रहेगा। मुझे लगता है कि दर्शकों को 'भूल भुलैया 4' का इंतजार होगा।

हिट की गारंटी किसी के पास नहीं

सिनेमा में कला और गणित दोनों का मिश्रण होता है। ये एक कारोबार है, और ये बात समझनी हर निर्देशक को जरूरी है। बतौर निर्माता कोई भी फ्लॉप फिल्म नहीं बनाना चाहता। निर्देशक भी अपनी समझ से सारी फिल्में हिट फिल्में ही बनाते हैं, लेकिन मेरी फिल्म शर्तिया हिट होगी, ये कोई निर्देशक नहीं कहता।

कभी निर्माता निर्देशक मनमोहन देसाई की फिल्म 'नसीब' में शत्रुघ्न सिन्हा के बचपन का रोल करने वाले अनीस बज्मी की गिनती अब हिंदी सिनेमा के चोटी के निर्देशकों में होती है। हां, मेरे पास लेखकों की पूरी टीम चलती है। मैंने अपना एक राइटिंग रूम बनाया है, जहां मैं नियमित तौर से बैठता हूं और लेखकों के साथ अलग-अलग विषयों पर विचार करता हूं। मेरी कोशिश एक लार्जर दैन लाइफ वेब सीरीज बनाने की अरसे से रही है।

साभार एजेंसी